



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण

दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ

प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ - लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-285

कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में

उरई (जालौन) रविवार 27 सितम्बर 2026

youngbharatepaper.com

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी; सीएम योगी बोले- ‘हमारी आस्था को नष्ट करने का प्रयास करने वाले स्वयं इतिहास के पन्नों में मिट गए’



(यंग भारत न्यूज)
लखनऊ : जन्माष्टमी के अवसर पर कमिश्नरेट लखनऊ रिजर्व पुलिस लाईंस में भव्य श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी का आयोजन हम सबको योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के शाश्वत संदेशों के साथ जोड़ता है, जो पिछले 5,000 वर्षों से अधिक समय से सम और विषम परिस्थितियों में इस समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं.



इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ, जेल की काल कोठरी में उनका जन्म होता है. यानी अंधकार में उनका जन्म होता है लेकिन, जीवन भर श्रीकृष्ण ने उन परिस्थितियों को परास्त करते हुए समाज को प्रकाश का मार्ग दिखाया. उन्होंने कहा कि अनेक ऐसी घटनाएं हैं जिनको हम महसूस करते हैं. हम सामान्य भाषा में एक बात कहते हैं कि धर्म, सत्य, न्याय की स्थापना के लिए प्रभु

का अवतरण हुआ. यह धर्म वही कर्तव्य है जो अन्याय के खिलाफ श्रीकृष्ण को कंस के खिलाफ और महाभारत युद्ध में देखा है. उन्होंने कहा कि जीवन में जब भ्रम हो, संशय हो तो उस समय प्रेरणा प्रदान करने वाला श्रीकृष्ण का संदेश हर भारतवासी बड़ी श्रद्धा के साथ उनका स्मरण करता है. उन्होंने कहा कि हम जब श्री कृष्ण जन्माष्टमी के इस आयोजन के साथ जुड़े हैं, यह आयोजन हम सबको अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए एक

नया संदेश दे रहा है. उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने हमें मिटाने और हमारी आस्था को नष्ट करने का प्रयास किया, वे स्वयं इतिहास के पन्नों में मिट गए. हमारा भारत आज भी जीवित है, जाग्रत है और शाश्वत रूप से अपनी अजेय यात्रा को आगे बढ़ा रहा है. भगवान श्रीकृष्ण ने कहा, हमारे अनन्यता किसानों और पशुपालकों का जो संरक्षण देता है, हमें उसकी पूजा करनी चाहिए. गोवर्धन की पूजा पिछले 5,000 वर्षों से हम कर रहे हैं. यह भाव हमें दिखाता है कि आक्रांता मंदिर तोड़ सकता है, लेकिन आस्था नहीं तोड़ सकता. वे मूर्तियां तोड़ सकते हैं, लेकिन मूल्य नहीं. वे मंदिरों के ऊपर अपनी इमारत खड़ी कर सकते हैं, लेकिन मन में बसे हुए श्रीराम और श्रीकृष्ण को वे कभी छू भी नहीं पाए. उन्होंने कहा कि कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन... श्रीकृष्ण का यह संदेश हमें प्रेरणा देता है कि कर्मक्षेत्र में अपने आपको पहचानो और उसमें जो श्रेष्ठ है उसे करने का प्रयास करो.

छोटे प्लॉट वालों को यूपी में बड़ी राहत, अब नहीं लगाने पड़ेंगे सरकारी दफ्तरों के चक्कर, किशतों पर ब्याज भी घटा

(यंग भारत न्यूज)
लखनऊ: प्रदेश सरकार ने भू उपयोग परिवर्तन (लैंड यूज) शुल्क के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। आवास और शहरी नियोजन विभाग की तरफ से इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसमें उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (भू उपयोग परिवर्तन शुल्क निर्धारण, उद्ग्रहण एवं संग्रहण-तृतीय संशोधन) नियमावली लागू की गई है।



इसमें सबसे बड़ी राहत यह है कि किस्तों में भुगतान पर कम ब्याज देना पड़ेगा। किस्तों में ब्याज अब सीधे 12 प्रतिशत वार्षिक की बजाय मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमएलसीआर) के साथ 1 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज देना होगा। इससे आवेदक को काफी राहत मिलेगी। छोटे भूखंड धारकों के लिए भी राहत दी गई है। अब 6000 वर्ग मीटर या उससे कम

क्षेत्रफल वाले प्लॉट के आवेदनों को राज्य सरकार की मंजूरी की अनिवार्यता से मुक्त रखा गया है, बशर्ते संबंधित भू-उपयोग श्रेणी में संचयी परिवर्तन प्रतिशत सरकार द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक न हो। ऐसे मामलों में अब आवेदन प्राधिकरण बोर्ड के स्तर पर ही निस्तारित हो सकेंगे। इससे प्रक्रिया तेज होगी। आपत्तियों-सुझावों पर विचार के लिए अब एक छह-सदस्यीय समिति गठित होगी। इसकी अध्यक्षता संबंधित विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष करेंगे। इससे जिला मैजिस्ट्रेट स्तर का नामित अधिकारी, नगर आयुक्त, सहयुक्त नियोजक, मंडलायुक्त का प्रतिनिधि

और मुख्य नगर नियोजक सदस्य सचिव के रूप में शामिल होंगे। पहले प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन की सूचना दो समाचार पत्रों में प्रकाशित करवानी अनिवार्य थी। अब इसे घटाकर कम से कम एक समाचार पत्र और प्राधिकरण की वेबसाइट तक सीमित कर दिया गया है। आपत्ति दर्ज करवाने की न्यूनतम अवधि 15 दिन हो रखी गई है। नगर नियोजन क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि ब्याज दर में कटौती और छोटे भूखंडों के लिए प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण से रियल एस्टेट क्षेत्र में लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी। विज्ञापन की अनिवार्यता घटने से आम नागरिकों तक सूचना पहुंचने में कमी आने की आशंका भी जताई जा रही है। संशोधित अनुसूची-क में भी शुल्क दरों में व्यापक फेरबदल किया गया है, जिसका विस्तृत ब्योरा जल्द प्राधिकरणों की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाया जाएगा।

हमें तेरी लोकेशन पता चल गया है, तुझे जहन्नुम भेजेंगे’, नाजिया इलाही खान को फिर पाकिस्तान से आई धमकी

(यंग भारत न्यूज)
गाजियाबाद: सुप्रीम कोर्ट की वकील और बीजेपी नेता नाजिया इलाही खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। नाजिया का आरोप है कि कोलकाता पहुंचने के बाद उन्हें पाकिस्तान के एक नंबर से धमकी भरा वॉट्सऐप मैसेज, वॉइस नोट, मिस्ड कॉल और आपत्तिजनक तस्वीरें भेजी गई है। उन्होंने इस मामले की शिकायत कोलकाता एसटीएफ, दिल्ली पुलिस और गाजियाबाद पुलिस के अधिकारियों से की है। नाजिया इलाही खान ने बताया कि गुरुवार रात करीब 12:33 बजे पाकिस्तान के नंबर से उन्हें लगातार कई कॉल आए। उन्होंने शुरुआत में कॉल रिसीव नहीं की। इसके

बाद उन्हें एक वॉइस नोट, एक सिरकटी लाश की तस्वीर और बंदूक से संबंधित वीडियो भेजा गया। वॉइस नोट में उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई और कहा गया कि आरोपियों को कोलकाता के उनके पते के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, दिल्ली और मुंबई में उनके परिवार से जुड़े पते की भी जानकारी है। नाजिया ने बताया कि राणा हुनैन उर्फ राणा भाई नाम के व्यक्ति ने वॉट्सऐप पर वॉइस नोट भेजा। इसमें उसने कहा- नाजिया अपने कान के सुराख को अच्छी तरह से खोलकर सुन ले। हमें तेरी लोकेशन का पता चल गया है। तुकहां रहती है, यह भी हमें पता चल गया है। जल्द ही तुझे जहन्नुम भेजेंगे। राणा हुनैन ने खुद को पाकिस्तानी गैंगस्टर



शहजाद राणा का गुर्गा बताया। नाजिया ने गाजियाबाद और लखनऊ में सीनियर पुलिस अधिकारियों को कॉल करके पूरे मामले की जानकारी दी है। नाजिया ने कहा- 'मेरे पास धमकी की ऑडियो भी सुरक्षित है, मेरी जान को खतरा है।' उन्होंने बताया कि भेजी गई तस्वीर बेहद भयावह थी। उन्होंने इस घटना को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि उन्हें अक्सर किसी शहर में पहुंचने के कुछ ही समय बाद फोन या संदेश आने लगते हैं। जब वह किसी कॉल को रिसीव नहीं करती तो उन्हें वॉइस नोट और वीडियो भेजे जाते हैं। वकील ने कहा कि इस मामले की जानकारी उन्होंने कोलकाता एसटीएफ को दी है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस की

स्पेशल सेल और गाजियाबाद पुलिस के अधिकारियों को भी घटना के बारे में बताया गया है। साइबर क्राइम से जुड़े अधिकारियों ने भी उनसे संपर्क कर घटना के संबंध में जानकारी ली है। इससे पहले मिली धमकियों को लेकर भी जांच चल रही है। नाजिया इलाही खान ने कुछ लोगों और संगठनों पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि उन्हें आशंका है कि उनकी गतिविधियों और आवाजाही पर नजर रखी जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही धमकियों के पीछे ऐसे लोग हो सकते हैं जो नहीं चाहते कि उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव के दौरान उनकी बातें लोगों तक पहुंचें।

रात में ‘पाप’ और दिन में ‘पुण्य’ करता था ये गैंग, शहद-सैलून से था संबंध

(यंग भारत न्यूज)
लखनऊ: गैंगस्टर और गैंग तो आपने बहुत सुना होगा, मगर शायद ही ऐसा सुना होगा जो पाप के साथ-साथ पुण्य भी करता था। इस गैंग का मकसद बेहद अजग टाइप का था। ये गैंग हाइवे के किनारे बसे घरों को अपना निशाना बनाता था। ये जो भी लूटते उसका एक हिस्सा दान कर दिया करते थे। इस गैंग का नाम था- पंखिया गैंग। 122 सितंबर, 2026 को उत्तर प्रदेश के इटावा में हुई एक मुठभेड़ में पंखिया गैंग के सरगना समेत छल लोग गिरफ्तार किए गए। पंखिया गैंग पूरे देश में लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था। पाप का बोझ कम करने के लिए यह गिरोह लूटी गई रकम का एक हिस्सा मंदिरों में दान देना, जागरण करना, भागवत कराने जैसे धार्मिक कार्यों में खर्च करता था। पंखिया गैंग पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इटावा, सीतापुर, हरदोई, शाहजहांपुर, मुजफ्फरनगर, लखनऊ, कुशीनगर, पीलीभीत, बंदायूं से लेकर राजस्थान के भरतपुर तक फैला हुआ था। इनका नेटवर्क बेहद तगड़ा था। ये जल्दी पकड़ में नहीं आते। बेहद सफाई से अपने काम को अंजाम दिया करते थे। इस गैंग का मुख्य काम चोरी और लूटपाट करना था। ये गैंग हाइवे के किनारे बने

घरों को अपना निशाना बनाता था। इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तार सरगना रमेश कश्यप, मुनीश कुमार जाटव, अनीस अहमद, वसीम, मुकद्दर अली उर्फ पंखिया व इरफान अहमद बंदायूं में रहते हैं। पंखिया गैंग में छह सदस्य थे। इटावा के इगदिल इलाके में पुलिस ने इस गैंग का खुलासा किया था। पुलिस के अनुसार, इस गैंग के छह सदस्यों के खिलाफ 86 संगीन मामले दर्ज हैं। गैंग का तरीका बहुत ही सुनियोजित बताया गया। किसी भी जिले में पहुंचने के बाद आरोपी पहले इलाके की रेकी करते थे और टारगेट तय करते थे। इसके बाद किराए की कार से मौके पर पहुंचकर चोरी या लूट की वारदात को अंजाम देते थे। इटावा में एकदिल के मानिकपुर मोड़ के पास 7 अगस्त को फौजी के घर हुई चोरी और उस राके की चोरी की वारदात में भी पुलिस को इसी गैंग के शामिल होने के सुराग मिले जब पंखिया गैंगे लूटपाट कर लेता तो पैसों का बंटवारा 10 पार्ट में करता था। इस लूटपाट का एक हिस्सा धार्मिक काम में इस्तेमाल होता था और मंदिर में चढ़ावा, भजन कराना, भंडारा कराने में लूट के पैसों का इस्तेमाल किया करते थे। इसके पीछे गैंग यह



मानता था कि लूटपाट का जो पाप उन्होंने किया है, उसका असर काम पर ना पड़े। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जब भी लूटपाट या चोरी की घटना को अंजाम दिया जाता था तो इस गैंग का अपराधी वसीम चिड़ियों जैसी आवाजें निकालकर अपने साथियों को सतर्क करता था। ये अजीब आवाजों में आपस में कोडवर्ड में बात भी करते थे। पंखिया गैंग का मूल निवास बरेली व शाहजहांपुर की सीमा पर स्थित पंखियाखेड़ा गांव है। इनकी जाति पंखिया होने के कारण ही इस गिरोह का नाम पंखिया गैंग पड़ा। इनके पूर्वज जंगलों में शहद निकालकर अपना गुजर-बसर करते थे। जल्द अमीर बनने के चक्कर में इनकी पीढ़ियां लूट व चोरी के रास्ते पर चल पड़ीं। इन्होंने चोरी का माल आसानी से खपाने के लिए गैंग में एक सुनार अनीस को भी शामिल कर रखा था, जो सैलून चलाने की आड़ में चोरी के गहने बिकवाता था



नशे के लिए मां से मांगे: 60 रुपये, नहीं मिले तो कुल्हाड़ी से काट डाला. UP में बेटे की खौफनाक करतूत

(यंग भारत न्यूज)

नशे की लत ने मां-बेटे के रिश्ते को खून से रंग दिया. गांजा खरीदने के लिए 60 रुपये नहीं मिलने पर 28 वर्षीय युवक ने अपनी 51 साल की मां पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया. पांच से अधिक वार से महिला की मौत हो गई. आरोपी वारदात के बाद करीब दो घंटे तक शव के पास बैठा रहा, फिर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया. उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है. कुलपहाड़ कोतवाली क्षेत्र के रावतपुरा खुर्द गांव में 28 वर्षीय युवक ने अपनी 51 साल की मां की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि आरोपी गांजे का आदी है और उसने नशे के लिए मां से 60 रुपय मांगे थे. पैसे देने से इनकार करने पर उसने खौफनाक कदम उठा लिया.

वारदात के समय घर में मां-बेटे के अलावा कोई और मौजूद नहीं था. आरोपी मोहन यादव आए दिन नशे के लिए अपनी मां मूला देवी को परेशान करता था. बुधवार को भी उसने गांजा खरीदने के लिए रकम मांगी. महिला ने पैसे नहीं होने की बात कही, जिसके बाद मोहन अपना



आपा खो बैठा और घर में रखी कुल्हाड़ी उठा ली. आरोपी ने मूला देवी की गर्दन पर ताबड़तोड़ हमला किया. महिला पर एक-दो नहीं, बल्कि पांच से अधिक वार किए गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. वारदात को अंजाम देने के बाद भी मोहन वहां से भागा नहीं और करीब दो घंटे तक शव के पास ही बैठा रहा. घटना का पता तब चला जब मृतका के देवर रामेश्वर घर पहुंचे. इसी दौरान मूला देवी का बड़ा बेटा सोहन यादव भी अपनी पत्नी की

डिलीवरी के सिलसिले में नोएडा से गांव आया था. जैसे ही उसने घर के भीतर कदम रखा, सामने मां की खून से लथपथ लाश देखकर उसके होश उड़ गए. घर से चीख-पुकार की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण वहां पहुंच गए. कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए. ग्रामीणों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी. महज 60 रुपये को लेकर हुई इस वारदात ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया. सूचना मिलते ही कुलपहाड़

कोतवाली प्रभारी अवधेश मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए. पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहन यादव को हिरासत में ले लिया. उससे वारदात और हत्या के पीछे की परिस्थितियों को लेकर

771 बच्चों ने छोड़ा एमबीबीएस-बीडीएस का सपना, प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की लूट के आगे हुए बेबस

(यंग भारत न्यूज)

दिल्ली. डॉक्टर बनने का सपना देख रहे स्टूडेंट्स के लिए नीट पास करना इस सफर का पहला पड़ाव मात्र है. लेकिन जब यही सपना पैसों की कमी और भारी-भरकम फीस के आगे दम तोड़ने लगे तो स्थिति बेहद दर्दनाक हो जाती है.

गुजरात से एक ऐसा ही चॉकाने वाला मामला सामने आया है. यहां मेडिकल और डेंटल कोर्स की काउंसलिंग के पहले 2 राउंड में ही कई स्टूडेंट्स ने अपनी पक्की सीटें छोड़ दीं क्योंकि वे प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की भारी-भरकम फीस चुकाने में असमर्थ थे. मेडिकल एडमिशन कमेटी के आंकड़ों के मुताबिक, गुजरात में 771 स्टूडेंट्स ने एमबीबीएस और बीडीएस की सीटें मिलने के बावजूद एडमिशन कंफर्म नहीं कराया. वडोदरा के रहने वाले मेमन मोहम्मद शेख और किसान के बेटे उदय करावडरा जैसे कई युवा अब मजबूरन डॉक्टर बनने का सपना छोड़कर क्लास, बीएएमएस या फार्मसी जैसे सस्ते कोर्स में एडमिशन ले रहे हैं. जानिए यह पूरा मामला क्या है और बच्चे इस आर्थिक संकट से कैसे निपट रहे हैं. प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की फीस आम परिवारों के बजट से बहुत बाहर है. ओपन कैटेगरी के स्टूडेंट मेमन मोहम्मद शेख को वडोदरा की पारुल



यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस मिला था. लेकिन करीब 10 लाख रुपये सालाना फीस होने के कारण उन्हें यह सीट छोड़नी पड़ी. उनके पिता साड़ी की छोटी सी दुकान चलाते हैं. सरकारी स्कॉलरशिप और समुदाय से मदद मिलने के बावजूद पहले साल 6 लाख और आगे चलकर हर साल 10 लाख रुपये जुटाना उनके परिवार के बूते से बाहर था. जब एमबीबीएस और बीडीएस की लाखों रुपये की फीस मिडिल क्लास और गरीब परिवारों पर भारी पड़ने लगी है तो छात्र मजबूरी में

दूसरे रास्ते तलाशते हैं. नीट में 421 अंक हासिल करने वाले उदय करावडरा को अहमदाबाद के एसएएल मेडिकल कॉलेज में सीट मिली थी. लेकिन 11.68 लाख रुपये सालाना फीस (5 साल में करीब 55 लाख रुपये) होने के कारण उन्होंने इसे ठुकरा दिया. किसान पिता के बेटे उदय अब आयुर्वेद या होम्योपैथी की बूते से बाहर था. जब एमबीबीएस और फीस का बोझ काफी कम होता है. राज्य के मेडिकल एडमिशन पैल से जुड़े एक भारी पड़ने लगी है तो छात्र मजबूरी में

एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स में इस तरह भारी संख्या में पक्की सीटें छोड़ा जाना पहले कभी नहीं देखा गया. अधिकारियों के अनुसार, भारी-भरकम फीस मुख्य चिंता बनकर उभरी है. इसके चलते स्टूडेंट्स तय नहीं कर पा रहे हैं कि वे अलॉटेड सीट स्वीकार करें या अगले राउंड का इंतजार करें. कई स्टूडेंट्स अब डेंटल, फार्मसी, आयुर्वेद और होम्योपैथी जैसे कोर्स को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे कम खर्च में डिग्री पूरी हो सके. यह मामला सिर्फ गुजरात या कुछ चुनिंदा मेडिकल स्टूडेंट्स तक सीमित नहीं है. यह देशभर की उस सच्चाई की उजागर करता है जहां मेडिकल शिक्षा सिर्फ रईसों या संपन्न लोगों के हाथ की चीज बनती जा रही है. लोन और भारी ब्याज के चक्कर में पड़कर परिवार कर्ज के जाल में फंस जाते हैं. यही वजह है कि स्टूडेंट्स अब प्रैक्टिकल रख अपनाते हुए ऐसे कोर्स चुन रहे हैं जो उनकी जेब पर भारी न पड़ें और भविष्य में रोजगार की उम्मीद भी जगाएं.

यूपी के चुनावी मैदान में बड़े नेताओं को उतारेगी बीजेपी, इन नामों की चर्चा तेज

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है. जिसमें 2022 की तर्ज पर बड़े नेताओं को भी चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतारा जाएगा. सीएम योगी समेत दोनों डिप्टी सीएम भी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे.

बीजेपी के सुत्रों के मुताबिक इस बार चुनावों में पूर्व प्रदेश अध्यक्षों को भी पार्टी ने लड़ने के निर्देश दिए हैं. इसके साथ ही योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री भी चुनाव लड़ेंगे. इसके अलावा पार्टी के पूर्व सांसदों को भी टिकट देने की तैयारी है. यही नहीं 5 से से यूपी के पदाधिकारियों को चुनाव में उतारा जाएगा. बीते विधानसभा चुनावों (2022) में बीजेपी को अकेले 255 सीटों पर जीत हासिल हुई थी. इसके अलावा उसने एनडीए गठबंधन में 300 के आसपास सीटें हासिल की थीं. खुद सीएम योगी गोरखपुर शहर से चुनाव लड़े थे और रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की थी. डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने कौशाम्बी जिले की सिराथू सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन वे पल्लवी पटेल से हार गए थे. इसी तरह ब्रजेश पाठक ने लखनऊ केंद्र से समाजवादी पार्टी के सुरेन्द्र सिंह गांधी को हराकर जीत हासिल की थी. उनके वोटों का मार्जिन भी चालीस हजार के आसपास था. बीजेपी में 2027 के लिए टिकटों के लिए जोर आजमाइश भी तेज हो गयी है. 2024 के लोकसभा चुनाव में उसकी काफी सीटें घटी थीं और बहुत सी विधानसभा पर वो पीछे रही थी. इंडिया गठबंधन से मुकाबले के लिए इस बार कोई कमी न रह जाए पार्टी बड़े नेताओं को जमीन पर उतारने की तैयारी कर रही है. क्योंकि बीजेपी लगातार तीसरा चुनाव जीतकर रिकॉर्ड बनाना चाहती है. सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ ही प्रदेश संगठन और पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अब चुनाव प्रबंधन में जुट गया है. उसकी ये रणनीति कामयाब होगी या नहीं ये देखने वाली बात होगी.



'मेरे बेटे को फांसी दो, उसने कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद की', बर्खास्त पुलिसकर्मी की मां का सनसनीखेज आरोप

(यंग भारत न्यूज)

महापट्ट के भिंवंडी के कथित सामूहिक बलात्कार मामले में बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटिल का नाम सामने आने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी है. इसी बीच शैलेश की मां सुलोचना पाटिल ने अपने ही बेटे को लेकर कई गंभीर आरोप लगाते हुए फांसी की सजा की मांग कर दी है.

उन्होंने दावा किया कि शैलेश ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया. साथ ही संपत्ति तथा पैसों के लिए उनके साथ मारपीट की. सुलोचना पाटिल का आरोप है कि, उनके बेटे शैलेश ने उनके सिर पर पिस्टल रखकर संपत्ति बहू और



अपने नाम करने के लिए दबाव बनाया था. उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले पुलिस से शिकायत की गई और बाद में न्याय के लिए अदालत का रुख करना पड़ा. उनका दावा है कि संपत्ति से जुड़ा मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है. सुलोचना पाटिल के

मुताबिक, उनके पति द्वारा खरीदी गई जमीन और अन्य संपत्तियों पर भी शैलेश ने कब्जा कर लिया है. उन्होंने करोड़ों रुपए की संपत्ति और नकदी हड़पने का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि अब वह अपने बेटे के साथ नहीं, बल्कि अपनी बेटी के घर रह रही हैं. सुलोचना पाटिल ने अपने बेटे पर एक और गंभीर आरोप लगाया है, उनका दावा है कि, शैलेश पाटिल ने कथित पीड़िता के अलावा कई अन्य लड़कियों के साथ भी इसी तरह का कृत्य किया है. इसलिए उसे फांसी की सजा ही मिलनी चाहिए. शैलेश की मां ने एक आईपीएस अधिकारी को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका दावा है कि आईपीएस

अधिकारी को बचाने के लिए शैलेश ने पहले किसी मामले की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली थी और जेल गया था. जेल में जाने के बाद वह बदल गया. सुलोचना पाटिल का आरोप है कि बड़े अधिकारियों से कथित संरक्षण मिलने के कारण उसका मनोबल बढ़ता गया. सुलोचना ने आरोप लगाया कि, उनका बेटा शैलेश पैसे और संपत्ति के लिए उन्हें लगातार प्रताड़ित करता था. उन्होंने शैलेश पर डांस बार में वसूली और लोगों को धमकाने जैसे कामों में शामिल होने का भी आरोप लगाया है. उनका कहना है कि उन्होंने अपने बेटे के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई.

इसके बाद उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया. उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास इलाज के लिए पैसे नहीं हैं और अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह आत्मदाह जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर होंगी. बता दें कि भिंवंडी के पड़्या पुलिस थाने में बीजेपी के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार और बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटिल के खिलाफ कथित सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है. पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है और उनको पकड़ने के लिए कई पुलिस टीमों के गठन की जानकारी सामने आई है. फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच जारी है.

काट दिया प्रेमिका का गला: आधी रात को मिलने बुलाया, फिर बेरहमी से किया कत्ल; नेहा को इसलिए दी भयानक मौत

नेहा हत्याकांड की पूरी कहानी



- आधी रात को मिलने बुलाई थी प्रेमिका
- पहले से दोस्तों संग इंतजार कर रहा था प्रेमी
- कोर्ट की छत पर

(यंग भारत न्यूज)

कासगंज के सदर कोतवाली के अशोक नगर में नेहा की उसके ही प्रेमी समीर ने हत्या कर दी। समीर ने रुपये और जेवर के लालच में अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर इस साजिश को अंजाम दिया और युवती का गला रेतकर शव को निर्वस्त्र कर छोड़ दिया।

मूल रूप से जामा मस्जिद के पास का रहने वाला मुख्य आरोपी समीर बाइक चोरी के मामले में पहले भी जेल जा चुका है। पुलिस से बचने के लिए वह ठिकाना बदलकर अशोक नगर में किराये के एक मकान में रह रहा था। करीब तीन महीने पहले उसकी मुलाकात पड़ोस में रहने वाली नेहा से हुई जो पिछले तीन-चार साल से उसके दोस्त अरसद को जानती थी। बातचीत और मेल-जोल बढ़ने के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। इसी बीच समीर को पता चला कि नेहा के

घर में कैश और जेवर रखे हैं। लालच में अंधे होकर उसने साथियों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई और आधी रात को जेवर व रुपये लेकर मिलने के बहाने बुलाकर उसकी गला रेतकर हत्या कर दी। वे शव को भी ठिकाने लगाने की फिराक में थे लेकिन अचानक किसी वाहन के आने और रोशनी होने से घबराकर वे शव को ट्यूबवेल की छत पर ही छोड़कर भाग निकले। ये खबर आप-कविक् समाचार में पढ़ रहे हैं। मृतका नेहा है। पुलिस से बचने के लिए वह ठिकाना भाइयों की लाडली बहन थी। उसके दो भाई दिल्ली और एक भाई मुंबई में रहकर काम करते हैं। घटना के बाद मां जाहिदा बेगम और बड़ी बहन निशा समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। एसपी ओपी सिंह ने बताया कि आरोपी समीर पूर्व में जेल जा चुका है। रुपये और जेवर के लालच में उसने अपने दोस्तों के साथ

मिलकर इस हत्या को अंजाम दिया है। पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई में जुटी है। -एसपी ओपी सिंह ने बताया कि आरोपी समीर ने वारदात से दो दिन पहले एक नया सिम एक्टिवेट कर युवती को दिया था।

यह सिम मृतका की बहन निशा के मंगेतर बदायूं के सहस्रवान निवासी वसीम के नाम पर रजिस्टर्ड था ताकि हत्या के बाद शक की सुई वसीम की तरफ घूम जाए। मामले में वसीम से पूछताछ भी की गई थी। हालांकि, पुलिस जल्द ही इस पेंतरे को भांप गई। आरोपियों ने हत्या के लिए दो दिन तक पूरे इलाके की रेकी की थी। आबादी से दूर, पुरानी रेलवे लाइन के पास फतेह सिंह के खेत की सूखी और सुनसान जगह को इसके लिए चुना गया। जहां रात में आवाजाही नहीं होती थी और आसपास मकान भी मौजूद नहीं थे।

बिस्तर से बांधकर देते थे इंजेक्शन, बिना कपड़ों के स्लेव मार्केट होती थी लड़कियों की नीलामी; आईएसआईएस के आतंकियों की नापाक हरकतें जान खौलेगा खून

(यंग भारत न्यूज)



आतंकवाद सिर्फ पाक तक ही सीमित नहीं है इसकी जड़े कई देशों तक फैली हुई हैं. वहीं जहां इनका दिल मार-काट करने पर नहीं पसीजता वहीं महिलाओं संग अत्याचार और दुष्कर्म करने में भी इन्होंने हैवानियत की हर एक हद पार की है.

वहीं आज हम आपको बताएंगे कि कैसे ये मासूम लड़कियों को अगवा करते हैं और हवस का शिकार बनाते हैं. जानकारी के मुताबिक इराक की दो यज़ीदी लड़कियों ने आईएसआईएस आतंकवादियों के हाथों टॉचर और बेरहमी की चॉकाने वाली कहानियाँ बताई हैं. उनका कहना है कि उन्होंने उन्हें उनके घरों से किडनैप किया और जबरदस्ती सेक्स स्लेव बना दिया. जी हाँ! दोनों लड़कियाँ इराक के एक रिफ्यूजी कैंप में रह रही हैं. जिनमे एक 19 साल की लड़की, जिसे बंधक बनाया गया था उसने कहा कि उसे खरीदने वाले पहले आदमी ने उसके साथ रेप किया. अगर वो मना करती, तो वो उसके एक साल के बच्चे को बुरी तरह पीटता था. वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक और 25 साल की लड़की ने कहा कि आतंकवादियों ने उसे कई बार बेचा. इतना ही नहीं वो उसे मॉर्फिन का इंजेक्शन लगाते और बेहोश रखने और शोर मचाने से रोकने के लिए बिस्तर से बाँध देता था. एक आतंकवादी ने उसे इतनी बुरी तरह पीटा कि वो दो महीने तक खड़ी नहीं हो सकी. इतना ही नहीं, सबसे खूबसूरत लड़कियों को गंगा करके गुलामों के बाज़ारों में बहुत ज्यादा दामों पर नीलाम किया जाता है. 19 साल की यज़ीदी महिला ने कहा कि उसे पिछले साल अगस्त में उत्तरी सिंजर के एक गाँव से किडनैप किया गया था. 30 कारों में आए आतंकवादियों ने उसके घर पर हमला किया और उसे, उसके पति और उसके बच्चे को किडनैप कर लिया इतना ही नहीं, आतंकवादी उसे 50 मील दूर ताल-अफ़र में बंधक बनाकर ले गए, जहाँ उसका पति अलग रहता था. बाद में उसे एक 50 साल के आतंकवादी को बेच दिया गया. उसे लगभग 200 दूसरी औरतों के साथ एक स्कूल में नीलाम कर दिया गया. उसने कहा कि उसने अपने बच्चे की खातिर सब कुछ सहा. इस यज़ीदी औरत को बाद में मोसुल में एक आतंकवादी को बेच दिया गया.

यंग भारत ने खबर प्रकाशित करके पुलिस को किया था सतर्क, कार्यवाही से पूर्व ही छात्र की गुंडों ने की बेल्ट से पिटाई

स्टेशन रोड पर बढ़ रही छात्रों की उधड़ता, कोचिंग के बाद मारपीट का आरोप

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। शहर के स्टेशन रोड क्षेत्र में कोचिंग संस्थानों के आसपास कुछ छात्रों की बढ़ती उधड़ता को लेकर चर्चाएं तेज हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कोचिंग के आसपास छात्रों की भीड़ के बीच आए दिन कहासुनी और विवाद की स्थिति बनती रहती है। ऐसे में क्षेत्र में नियमित निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ कम उम्र के छात्र

भी आपसी विवाद में दबंगई दिखाने से पीछे नहीं हट रहे हैं। हालात यह हैं कि मुंछें अभी ठीक से निकली भी नहीं हैं, लेकिन कमर से बेल्ट निकालकर रौब दिखाने के आरोप सामने आ रहे हैं। इससे अभिभावकों में भी चिंता का माहौल है। इसी बीच एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आने की चर्चा है। आरोप है कि कुछ छात्रों ने एक छात्र को कोचिंग से उठाकर जीआईसी की पुरानी बिल्डिंग में ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की गई। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह

की चर्चाएं हैं। हालांकि पूरे मामले की वास्तविक स्थिति और पुलिस कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि अभी सामने आना बाकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन रोड पर कोचिंग के समय निगरानी और पुलिस की सक्रिय मौजूदगी बनी रहे तो छात्रों की ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। साथ ही अभिभावकों और कोचिंग संचालकों को भी छात्रों की गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत है, ताकि पढ़ाई के माहौल में किसी तरह का विवाद या मारपीट न हो।

मुंछें निकली नहीं, कमर से बेल्ट निकालने लगे छात्र; जीआईसी की पुरानी बिल्डिंग में ले जाकर पीटने का आरोप

फरियादी नहीं पहुंचे तो डीएम ने खुद संभाली शिकायतों की पड़ताल, पूर्व शिकायतकर्ता से फोन पर ली निस्तारण की पुष्टि

माधौगढ़ में सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के दौरान एक भी शिकायत नहीं आई, शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान मौके पर दिखाई देना चाहिए

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी समीर व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने थाना माधौगढ़ के सभागार में जनशिकायतों की सुनवाई एवं पूर्व में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की। समाधान दिवस में कोई भी फरियादी अपनी शिकायत लेकर नहीं पहुंचा। इसके बावजूद जिलाधिकारी ने पूर्व में दर्ज शिकायतों के निस्तारण की वास्तविक स्थिति स्वयं परखी। पूर्व सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस में ग्राम हैदरपुरा निवासी शिवराज सिंह ने जलभराव के कारण पुलिया अवरुद्ध होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पंजिका में शिकायत का निस्तारण दर्ज पाए जाने पर जिलाधिकारी समीर ने स्वयं शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता कर पूछा कि समस्या का वास्तविक समाधान हुआ है अथवा नहीं। शिकायतकर्ता ने बताया कि जलभराव की समस्या को दूर कर दिया गया है और अब स्थिति सामान्य है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण केवल पंजिका अथवा पोर्टल पर दर्ज करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान मौके पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करते हुए शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाए। यदि शिकायतकर्ता असंतुष्ट हो तो मामले का पुनः परीक्षण कर प्रभावी समाधान कराया जाए। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने थाना समाधान दिवस से संबंधित अभिलेखों की समीक्षा करते हुए पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों को जनशिकायतों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और आपसी समन्वय से समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मनोज प्रकाश, सीओ अम्बुज, प्रभारी थाना निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा आदि अधिकारी मौजूद हैं।

चक्रवाती मौसम को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट, डीएम ने दिए 24 घंटे में राहत पहुंचाने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। चक्रवाती मौसम एवं घने बादलों के चलते 25 से 27 सितंबर तक प्रदेश में जारी मौसम संबंधी चेतावनी को देखते हुए जिलाधिकारी समीर कुमार ने जनपद में विशेष सतर्कता और एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को संभावित अतिवृष्टि, जलभराव एवं प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जन-धन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त रखने को कहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्य बिना किसी विलंब के शुरू किए जा सकें।
जिलाधिकारी ने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में मौसम संबंधी चेतावनी तथा सुरक्षा उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ तहसील और विकासखंड स्तर पर राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक उपकरण, संसाधन और राहत सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहनी चाहिए तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण एवं निगरानी करने तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को देने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने विशेष रूप से कहा कि जनहानि, पशुहानि अथवा मकान क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलते ही आवश्यक सत्यापन एवं नियमानुसार प्रक्रिया पूरी कर 24 घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों को अनुमन्य मुआवजा उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

बारिश-वज्रपात की आशंका पर जालौन में अलर्ट, डीएम ने दिए सुरक्षा के निर्देश

-दो दिन में 85.2 मिमी बारिश, सीजन में अब तक 805 मिमी वर्षा; जलभराव वाले क्षेत्रों और खुले स्थानों से दूर रहने की अपील

(यंग भारत न्यूज)
उरई। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 25 से 27 सितंबर तक जनपद में बारिश के साथ गरज-चमक एवं वज्रपात की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी समीर ने नागरिकों से मौसम को देखते हुए सावधानी बरतने और अनावश्यक जोखिम से बचने की अपील की है। जनपद में पिछले दो दिनों में 85.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि वर्तमान वर्षा ऋतु में अब तक कुल 805 से अधिक मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जो सामान्य औसत वर्षा से अधिक है। जिलाधिकारी ने कहा कि तेज बारिश एवं वज्रपात के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचते हुए सुरक्षित स्थान पर रहें।

निचले इलाकों, जलभराव वाले मार्गों, नालों, नदी-नहरों एवं तालाबों के आसपास जाने से बचें। वज्रपात के समय खुले मैदान, पेड़, बिजली के खंभों व टावरों के नीचे खड़े होने के बजाय पक्के भवन में शरण लें। उन्होंने किसानों से मौसम खराब होने पर खेतों में कार्य में 85.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि वर्तमान वर्षा ऋतु में अब तक कुल 805 से अधिक मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जो सामान्य औसत वर्षा से अधिक है। जिलाधिकारी ने कहा कि तेज बारिश एवं वज्रपात के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचते हुए सुरक्षित स्थान पर रहें।

थाना माधौगढ़ में डीएम-एसपी ने परखी व्यवस्थाएं, निर्वाचन से पहले कानून-व्यवस्था को लेकर दिए कड़े निर्देश

48 हिस्ट्रीशीटरों के सत्यापन से लेकर सीसीटीवी, महिला हेल्प डेस्क, अभिलेख और जर्जर बैरक तक की जांच, कमियों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)
उरई। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी समीर व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने थाना माधौगढ़ का संयुक्त निरीक्षण कर थाना परिसर, पुलिस बल की उपलब्धता, अभिलेखों, हवालात, सीसीटीवी, बीट व्यवस्था, महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केंद्र, शौचालयों एवं बैरक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन को देखते हुए अधिकारियों ने थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपलब्ध पुलिस बल का प्रभावी उपयोग करते हुए अपराध नियंत्रण, जनशिकायतों के निस्तारण और निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को मजबूत रखने तथा रिक्त पदों के संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए। त्योहार रजिस्टर की समीक्षा करते हुए आगामी नवरात्रि एवं दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से संबंधित समितियों, आयोजकों, विसर्जन मार्ग, तिथि, समय और वाहनों का विवरण अद्यतन करने तथा संवेदनशील स्थलों का पूर्व सत्यापन करने के निर्देश दिए। थाना क्षेत्र के 49 ग्राम एवं 29 ग्राम पंचायतों का अद्यतन विवरण तैयार रखने के साथ उनकी संवेदनशीलता एवं विवाद संभावित स्थलों की जानकारी अभिलेखों में दर्ज करने के निर्देश दिए गए। ग्राम अपराध रजिस्टर में दर्ज मामलों की समीक्षा करते हुए अभियुक्तों के वर्तमान निवास का सत्यापन तथा आरोपपत्र दाखिल होने की स्थिति के साथ उसकी तिथि भी स्पष्ट रूप से दर्ज करने को कहा गया। हिस्ट्रीशीटर पंजिका के निरीक्षण में 48 हिस्ट्रीशीटर दर्ज पाए गए। कुछ प्रविष्टियों में जन्मतिथि संबंधी त्रुटियां तथा पुराने एवं अस्पष्ट फोटो पाए जाने पर जिलाधिकारी ने सभी हिस्ट्रीशीटरों को निर्धारित समय में थाने पर बुलाकर पहचान, जन्मतिथि, फोटो एवं व्यक्तिगत विवरण का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। प्रत्येक सत्यापन पर अधिकारी के हस्ताक्षर एवं तिथि अंकित करने तथा निर्वाचन के दृष्टिगत उनकी गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने को कहा गया। हवालात में सीसीटीवी कैमरा से नियमित निगरानी करने के निर्देश एवं साफ-सफाई की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। थाना परिसर में स्थापित सभी आठ सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता सुनिश्चित रहे तथा फुटेज के सुरक्षित रखरखाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बीट व्यवस्था की समीक्षा में थाना क्षेत्र में पांच हल्के एवं 21 बीट पाए गए। बीट संख्या-3 के कांस्टेबल की बीट बुक का अवलोकन करते हुए अधिकारियों ने ग्राम स्तर की महत्वपूर्ण घटनाओं, विवादों, आपराधिक गतिविधियों एवं संवेदनशील व्यक्तिगतों की जानकारी नियमित रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। बीट कांस्टेबलों को गौशाला, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का नियमित भ्रमण करने तथा लॉबिटर प्रकरणों एवं शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील ग्रामों, मतदान केंद्रों, विवाद संभावित स्थलों तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों का चिन्हानकन कर अभिलेख अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन, पहुंच मार्ग एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का आकलन तथा ग्राम स्तर पर पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महिला हेल्प डेस्क एवं मिशन शक्ति केंद्र के निरीक्षण में कंप्यूटर खराब पाए जाने पर उसे तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए गए। महिला संबंधी शिकायतों को संवेदनशीलता एवं गोपनीयता के साथ सुनने तथा समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया। महिला जनसुनवाई एवं परिवार परामर्श केंद्र में प्राप्त शिकायतों का नियमित अभिलेखीकरण करते हुए प्रत्येक प्रकरण में की गई कार्रवाई एवं निस्तारण की स्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए गए। थाना परिसर के महिला एवं पुरुष शौचालयों तथा पिक टॉयलेट में साफ-सफाई बेहतर करने के निर्देश दिए गए। जर्जर बैरक का लोक निर्माण विभाग से तकनीकी परीक्षण कराकर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा उसकी जर्जर स्थिति को देखते हुए उपयोग न करने को कहा गया। वर्तमान जी+3 हॉस्टल में पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध आवासीय व्यवस्थाओं में स्वच्छता, सुरक्षा एवं मौलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मनोज प्रकाश, सीओ अम्बुज, प्रभारी थाना निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा भी मौजूद रहे।



सेवा संकल्प अभियान, सरकारी योजनाओं ने बदली जिंदगी की दिशा, हुनर को मिला आत्मनिर्भरता का आधार

-जालौन में ऋण, टूल किट और सहायक उपकरण बने रोजगार व स्वावलंबन की नई राह

(यंग भारत न्यूज)
उरई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद जालौन में सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों की सफलता की कहानियां सामने आ रही हैं। किसी को व्यवसाय विस्तार के लिए ऋण मिला तो किसी को आधुनिक उपकरण और टूल किट का सहारा मिला। वहीं दिव्यांगजनों को पेंशन, स्वरोजगार के लिए ऋण तथा सहायक उपकरण संसाधन जुटाए और आज 26 से 29 हजार रुपये प्रतिमाह आय अर्जित कर रहे हैं। आटा निवासी 31 वर्षीय विचित्र वत्स ने मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत 2 लाख रुपये के ऋण से इलेक्ट्रिक चाक व भट्ठी खरीदी। आधुनिक संसाधनों



से उनका माटीकला व्यवसाय बढ़ा और अब वह 15 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह कमा रहे हैं। ग्राम सामी की मीना देवी ने मुख्यमंत्री ग्रामीणोद्योग रोजगार योजना के तहत 5 लाख रुपये के ऋण से तेलघानी उद्योग शुरू किया और आज 18 से 22 हजार रुपये प्रतिमाह आय अर्जित कर रही हैं। टीहर निवासी दीपक वर्मा को टूल किट्स योजना के तहत निःशुल्क दीना-पतल मशीन मिली, जिससे उनका उत्पादन बढ़ा और आय 19 से 24 हजार रुपये प्रतिमाह तक पहुंची। वहीं मुसमरिया निवासी किशन प्रजापति को मुख्यमंत्री माटीकला टूल किट्स योजना के तहत निःशुल्क विद्युत चाक मिलने से उनका पारंपरिक व्यवसाय गति पकड़ने

लगा और वह 9 से 12 हजार रुपये प्रतिमाह आय अर्जित कर रहे हैं। दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाएं भी जीवन में बदलाव का माध्यम बनी हैं। राजकुमार, सागर और कमला को दिव्यांग पेंशन के साथ दुकान निर्माण/संचालन योजना के तहत 10 हजार रुपये का ऋण तथा स्मार्ट केन का लाभ मिला, जिससे उन्होंने खोखा-गुमटी शुरू कर स्वरोजगार अपनाया। वहीं 100 प्रतिशत दिव्यांग सुनील कुमार को दिव्यांग पेंशन, 10 हजार रुपये का ऋण और निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल मिली। इससे वह खोखा गुमटी का संचालन कर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। इन लाभार्थियों की सफलता यह दर्शाती है कि जब सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों की मेहनत और हुनर से जुड़ता है, तो रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और आत्मनिर्भरता की राह मजबूत होती है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से ऐसी कहानियां समाज के सामने आ रही हैं, जो सरकारी योजनाओं के प्रभाव और लाभार्थियों के बदलते जीवन की तस्वीर प्रस्तुत करती हैं।

बारिश का कहर: कच्चा मकान भरभराकर गिरा क्रासर- मलबे में दबी पूरी गृहस्थी; खुले आसमान के नीचे पहुंचा परिवार



उरई (जालौन)। पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश अब गरीब परिवारों के लिए आफत बनती जा रही है। बारिश के चलते माधौगढ़ थाना क्षेत्र के सिरसा दो गद्दी गांव में समता देवी पत्नी राम प्रताप का कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में मकान के अंदर रखा गृहस्थी का अधिकांश सामान मलबे में दब गया। बताया गया कि मकान काफी पुराना और कच्चा था। लगातार बारिश के कारण दीवारें पूरी तरह गीली हो गई थीं। शनिवार सुबह अचानक मकान ढह गया। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार के सदस्य मकान के बाहर थे, जिससे जनहानि होने से बच गई। मकान गिरने से अनाज, बर्तन, कपड़े समेत घरेलू सामान मलबे में दब गया, जिससे परिवार को काफी नुकसान हुआ है। हादसे के बाद पीड़ित परिवार के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है और परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। ग्रामीणों की मदद से मलबा हटाने का काम किया जा रहा है। पीड़िता समता देवी ने प्रशासन से मकान गिरने से हुए नुकसान का आकलन कर आर्थिक सहायता एवं आवश्यक मदद उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।

जिले में 24 घंटे से अधिक जारी रही मूसलाधार बारिश, 10 डिग्री तक गिरा पारा, फसलें मिल गई मिट्टी में, स्कूलों में छुट्टी, औसत से अधिक हो गई वर्षा, किसान बुरी तरह बेहाल

(यंग भारत न्यूज)
उरई। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती सिस्टम का असर बुदेलखंड के जालौन जिले में भी साफ दिखाई दे रहा है। गुरुवार रात से शुरू हुई मूसलाधार बारिश शनिवार सुबह तक लगातार जारी रही। करीब 24 घंटे से हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लगातार बारिश के चलते तापमान में करीब 8 से 10 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई और न्यूनतम तापमान करीब 19 डिग्री तक पहुंच गया। लगातार बारिश से जिले के कई नाले एक बार फिर उफान पर आ गए हैं। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में उरई शहर में 98 मिलीमीटर, जबकि कोंच नगर में 45 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। खेतों में लहलहा रही धान की फसल तेज हवाओं के साथ खेतों में बिछ गई है। किसानों के मुताबिक पिछली बारिश के बाद जिले में धान की फसल ही बड़ी उम्मीद के रूप में बची थी, लेकिन लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं ने उसे भी नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। खेतों में पानी भरने से फसल के खराब होने की आशंका बढ़ गई है। बारिश की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी समीर ने कक्षा एक से 12 तक के सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी और निजी विद्यालयों में शनिवार को अवकाश घोषित किया है। वहीं, संभावित नुकसान का आंकलन कराने के लिए राजस्व विभाग की टीमों को अलग-अलग क्षेत्रों में लगाया गया है। टीमों बारिश से प्रभावित इलाकों में पहुंचकर फसलों, मकानों और अन्य नुकसान का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करेंगी।

मंदिर में वारदात के आरोपी फंसे पुलिस की घेरे बंदी में, चली गोली तो एक बदमाश हुआ लंगड़ा, कुल 3 गिरफ्तार

- **अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने दी कार्रवाई की जानकारी, क्षेत्राधिकारी कालपी राजेश कमल के नेतृत्व में हुआ अभियान**
- **देवपुरा माता मंदिर से चोरी 26 पीतल के घंटे और 11,995 रुपये बरामद**
- **मुठभेड़ में सन्दीप उर्फ नरेन्द्र घायल, दो साथी घेराबंदी कर पकड़े गए**
- **तमंचा, कारतूस, चोरी के औजार और वारदात में इस्तेमाल होंडा मोटरसाइकिल भी मिली**

(यंग भारत न्यूज)

कालपी। मंदिर मे चोरी को चुनौती मानते हुए पुलिस अधीक्षक विनय कुमार के सधे हुए निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक आईपीएस ईशान सोनी के निकट प्रवेक्षण तथा सीओ कालपी राजेश कमल के नेतृत्व में बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। कोतवाली कालपी क्षेत्र के ग्राम उसरगांव स्थित देवपुरा माता मंदिर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फायरिंग में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके दो साथियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से मंदिर से चोरी



किए गए 26 पीतल के घंटे, दानपात्र से चोरी की गई रकम में से 11,995 रुपये, अवैध तमंचा व कारतूस, चोरी करने के उपकरण और वारदात में प्रयुक्त हॉंडा मोटरसाइकिल बरामद की गई। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि जालौन पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत देवपुरा माता मंदिर में हुई चोरी की घटना के अनावरण के लिए क्षेत्राधिकारी कालपी राजेश कमल के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया था। कोतवाली कालपी पुलिस के साथ स्वाट/सर्विलांस टीम को भी घटना के खुलासे के लिए लगाया गया था। पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस का आरोपियों से सामना हो गया। पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ के दौरान सन्दीप उर्फ नरेन्द्र कुमार पुत्र रमेशचन्द्र निवासी ग्राम गौर, थाना धौगनाीपुर, जनपद कानपुर देहात गोली लगने से घायल हो गया। वहीं उसके दो साथियों बलराम और लाला उर्फ लालचंद को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया। घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

रात में मंदिर से चोरी किए थे घंटे और



आपस में बराबर बांट लेते थे। पुलिस ने उनके पास से चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार भी बरामद किए हैं।

एक आरोपी पर पहले से दर्ज हैं मुकदमे

गिरफ्तार आरोपियों में सन्दीप उर्फ नरेन्द्र कुमार में 380/411 धादवि तथा थाना मूसानगर में वर्ष 2018 में धारा 379/411 भादवि के तहत मामले दर्ज हैं। अन्य दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी आसपास के थानों और अन्य जनपदों से जुटाई जा रही है।

यह सामान हुआ बरामद

पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तमंचा, दो खोखा कारतूस और दो जिंदा कारतूस, 26 छोटे-बड़े पीतल के घंटे, 11,995 रुपये नगद, घंटे व ताला तोड़ने के औजार तथा घटना में प्रयुक्त एक हॉंडा मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस मुठभेड़ और बरामदगी के संबंध में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कालपी रखते थे। आरोपियों के अनुसार चोरी और लूट से टीम शामिल रही।

पिछड़े बुंदेलखंड के किसान हैं बहुत अभागे, फसलें मिल गई मिट्टी में, अतिरिक्त पैकेज की मांग



जालौन, 26 सितंबर। जिले में लगातार हो रही बारिश से खेतों में खड़ी तिल, उड़द, बाजरा, ज्वार समेत अन्य फसलों को नुकसान पहुंचने का किसानों ने दावा किया है। बारिश से प्रभावित किसानों ने शासन-प्रशासन से तत्काल गांव-गांव फसल क्षति का सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान के आधार पर 100 प्रतिशत मुआवजा दिए जाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि फसल तैयार होने के समय लगातार बारिश ने उनकी महीनों की मेहनत और खेती में लगाई गई पूंजी को प्रभावित कर दिया है। किसानों ने फसल बीमा कंपनियों की सर्वे प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कृषि विभाग और जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से निगरानी कराने की मांग की है।

किसान अमर सिंह चंदेल ने कहा कि लगातार बारिश के कारण जिले के कई क्षेत्रों में खेतों में खड़ी फसलें खराब हो चुकी हैं। ऐसे में प्रशासन को बिना देरी किए प्रभावित गांवों में टीम भेजकर निष्पक्ष सर्वे कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को वास्तविक नुकसान के आधार पर

- **अतिवृष्टि से फसलें तबाह, किसानों ने मांगा 100 प्रतिशत मुआवजा**
- **तिल, उड़द, बाजरा और ज्वार समेत अन्य फसलों में नुकसान का किसानों ने किया दावा**
- **किसानों की मांग- गांव-गांव पारदर्शी सर्वे कराकर 100 प्रतिशत फसल क्षति का मुआवजा दिया जाए**
- **बीमा कंपनियों के सर्वे पर उठे सवाल, कृषि विभाग और अधिकारियों से निगरानी की मांग**
- **विशेष राहत पैकेज के साथ**
- **किसान क्रेडिट कार्ड का कर्ज माफ करने की भी उठी मांग**

100 प्रतिशत मुआवजा दिया जाए, ताकि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई हो सके। उन्होंने फसल बीमा सर्वे की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। अमर सिंह चंदेल का आरोप है कि फसल बीमा के सर्वे के दौरान किसानों से संबंधित प्रपत्रों पर हस्ताक्षर तो करा लिए जाते हैं, लेकिन बाद में फसल को हुए वास्तविक नुकसान के अनुपात में क्लेम निर्धारित नहीं किया जाता। उन्होंने कृषि विभाग और जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की कि बीमा कंपनियों द्वारा किए जा रहे सर्वे की निगरानी की जाए और किसानों की शिकायतों की भी संज्ञान लिया जाए। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह गौर ने कहा कि बुंदेलखंड का जालौन जिला लंबे समय से प्राकृतिक आपदाओं की मार झेल रहा है। कभी बारिश तो कभी अन्य मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण किसानों की फसल प्रभावित होती है। उन्होंने सरकार से जालौन के किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज, प्रभावित फसलों का 100 प्रतिशत मुआवजा और किसानों के कर्ज माफ करने की मांग की। काशीखेड़ा निवासी किसान कल्लू यादव ने कहा कि फसल खराब होने के बाद किसानों की आर्थिक स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। किसान पहले ही बीज, खाद, दवा, सिंचाई और मजदूरी पर बड़ी रकम खर्च कर चुका होता है। फसल नष्ट होने के बाद उसके सामने अगली फसल की तैयारी और परिवार का खर्च चलाने की चुनौती खड़ी हो जाती है। उन्होंने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की। किसान संतराम सैनी ने कहा कि कई किसान किसान क्रेडिट कार्ड के अलावा साहूकारों से भी कर्ज लेकर खेती करते हैं। फसल खराब होने के बाद आमदनी प्रभावित हो जाती है और किसानों के लिए कर्ज चुकाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड के ऋण माफ करने तथा प्रभावित किसानों को 100 प्रतिशत फसल क्षति का मुआवजा दिए जाने की मांग की। किसान मनीष पाल ने कहा कि किसान महीने बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्री खरीदकर महीनों की मेहनत से फसल तैयार करते हैं। फसल तैयार होने के समय प्राकृतिक आपदा उनकी पूरी मेहनत पर पानी फेर देती है। उन्होंने जालौन और बुंदेलखंड की परिस्थितियों को देखते हुए किसानों के लिए अलग से विशेष पैकेज घोषित किए जाने की मांग की। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित गांवों में राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीम भेजकर गांव-गांव पारदर्शी फसल क्षति सर्वे कराया जाए। साथ ही बीमा कंपनियों के सर्वे की भी अधिकारियों की मौजूदगी में निगरानी हो, ताकि वास्तविक नुकसान का सही आकलन हो सके। किसानों का कहना है कि सर्वे में दर्ज वास्तविक क्षति के आधार पर उन्हें 100 प्रतिशत मुआवजा और फसल बीमा का उचित दावा दिलाया जाए, जिससे बारिश से हुए आर्थिक नुकसान से उन्हें राहत मिल सके।

कुरेपुरा कनार के कुदुबपुर में सामुदायिक शौचालय बंदहाल, दीवारों में दरारें और फर्श धंसा

(यंग भारत न्यूज)

कुठेंद, जालौन। ग्राम पंचायत कुरेपुरा कनार के मजरा कुदुबपुर, विकासखंड कुठेंद में बना सामुदायिक शौचालय बंदहाल स्थिति में नजर आ रहा है। शौचालय की दीनों दीवारों में अंदर और बाहर की ओर जगह-जगह दरारें दिखाई दे रही हैं। गेट के पास लगी टाइल्स टूट चुकी हैं, जबकि अंदर की टाइल्स भी कई स्थानों पर चटक गई हैं। बेंच का फर्श क्षतिग्रस्त होने के साथ सामने की ओर धंसा हुआ नजर आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शौचालय के अंदर बने लैट्रिन-बाथरूम का गड्ढा करीब एक फीट का होने के कारण जल्दी भर जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक गड्ढा भरने से बाथरूम की स्थिति खराब रहती है और बारिश के समय बद्बू की समस्या और बढ़ जाती है। दुर्गंध के कारण आसपास रहने में भी परेशानी होती है। हालांकि जब ग्रामीणों से सफाई कर्मी के बारे में पूछा गया तो



उनका कहना है कि सफाई कर्मी अपने निर्धारित समय पर सफाई करने के लिए आते हैं। यानी ग्रामीणों के मुताबिक सफाई कर्मी की ओर से नियमित सफाई की जाती है, लेकिन शौचालय की निर्माण स्थिति और गड्ढे की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से शौचालय का मोके पर निरीक्षण कराकर जर्जर दीवारों, टूटे

पॉक्सो एक्ट की जानकारी देकर विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश विजयेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अहिंसा दिवस के अवसर पर 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता अभियान के तहत तहसील उरई के अंतर्गत झांसी रोड स्थित बृज कुंवर देवी एलिड्रिच पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट-2012, उनके कानूनी अधिकारों, बाल सुरक्षा तथा विभिन्न विधिक एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर की अध्यक्षता कर रही सिविल जज सींटी श्रीमती शम्भवी ने विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाते हुए व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार असहज या संदिग्ध लगे तो बच्चे बिना किसी डर या झिझक के तत्काल अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा संबंधित हेल्पलाइन से संपर्क करें। किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या गलत व्यवहार को छिपाने के बजाय खुलकर अपनी बात रखने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। तहसील विधिक सेवा समिति उरई के अध्यक्ष एवं सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रत्युष प्रकाश ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे के साथ यौन शोषण, यौन उत्पीड़न अथवा बाल पीरोग्राफी जैसे अपराध होने पर पॉक्सो एक्ट के प्रावधान लागू होते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी व्यक्ति पर पॉक्सो एक्ट के तहत गलत तरीके से मामला दर्ज हो जाए तो कानूनी सहायता एवं बचाव के लिए समय पर उचित कानूनी कदम उठाना जरूरी है। इसके लिए अनुभवी अधिकारियों से सलाह लेने के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर भी विधिक सहायता ली जा सकती है। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। विद्यालय के डायरेक्टर इंजी. अजय इटौरिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय में गठित पॉक्सो कमटी की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को आपात स्थिति में सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन नंबर 112 के बारे में बताया। साथ ही डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर निजी जानकारी एवं तस्वीरों को सुरक्षित रखने और साइबर अपराधों से बचने के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सीमा श्रीखंडे ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के विधिक साक्षरता एवं जागरूकताकार्यक्रमों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास के साथ-साथ कानूनी जागरूकता भी बढ़ती है। डायरेक्टर इंजी. अजय इटौरिया ने अतिथियों को पट्टिका एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन देवेश पाठक ने किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय से डीईओ दीपक नारायण, नीरज त्रिपाठी, सुनंदा यादव, दीक्षा, वंदना, ममता तोमर, प्रगति, अंकिता, गोविंद सिंह, डॉ. अनुज भदौरिया, पुरुषोत्तम, महेश कुशवाहा, अमर श्रीवास्तव, हनुमंत सिंह, अंकित, देवांश, जाविद, केके चतुर्वेदी, मनोज, अनिमेष सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, पीएलवी महेश सिंह परिहार, महेंद्र कुमार मिश्रा, धर्मेन्द्र कुमार, योगेंद्र सिंह तखेले तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।



- **गुड टच-बैड टच का अंतर समझाकर असहज स्थिति में तत्काल मदद लेने की दी सलाह**
- **चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन नंबर 112 की दी जानकारी**

गुड टच-बैड टच का अंतर समझाकर असहज स्थिति में तत्काल मदद लेने की दी सलाह

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन नंबर 112 की दी जानकारी

सभी भक्त भागवत को अपने जीवन में उतारें ताकि लोग धर्म की ओर अग्रसर हो-भगवताचार्य

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। सभी भक्त भागवत को अपने जीवन में उतारें ताकि लोग धर्म की ओर अग्रसर हो। भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। यह बात बाराही देवी मेला मैदान में आयोजित भागवत कथा के समापन पर कथा व्यास पंडित रमाकांत व्यास ने कही।

नगर के बाराहीं देवी मेला मैदान में

आयोजित भागवत कथा के समापन पर कथा व्यास पंडित रमाकांत व्यास ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है। सुदामा चरित का वर्णन करते हुए कहा कि गरीब ब्राह्मण सुदामा अपनी पत्नी सुशीला के कहने पर ना चाहते हुए भी द्वारिका जाने को तैयार होते हैं। सुदामा को कृष्ण से मिलने से द्वारपाल रोकता है। लेकिन जब द्वारपाल श्रीकृष्ण को गरीब ब्राह्मण के द्वार पर खड़े होने की सूचना देता है तो वह व्याकुल होकर नंगे पैर ही

उनसे मिलने के लिए द्वारा पर पहुंच जाते हैं और वहां से लाकर उन्हें सिंहासन पर बैठाते हैं। बिना मांगे ही उन्हें धन्य धान्य से परिपूर्ण कर दिया। कथा व्यास ने सुदामा चरित्र का वर्णन अत्यंत मार्मिक और भावपूर्ण ढंग से किया जिससे उपस्थित श्रद्धालु भावुक हो गए। इस मौके पर श्रीशक्ति पुष्पा देवी, ओमप्रकाश याज्ञिक, संतोष निरंजन, प्रत्युष, गजेंद्र सिंह, निशा, मंगल, अमित, अजय, पवन याज्ञिक, नैन्सी, उमा, कुंती, मुन्नी, शोभा, उर्मिला, गीता, आदि रहे।

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। शुक्रवार की सुबह से लगातार हो रही बारिश के चलते जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। लोग अपनी जरूरतों के लिए भी परेशान दिखे। शनिवार की देर शाम बारिश थमने से लोगों ने राहत की सांस ली। वहीं, खेतों में पानी भरने से किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें दिखीं। शुक्रवार सुबह से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला शनिवार की देर शाम तक जारी रहा। लगातार बारिश के कारण नगर के बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा चहल-पहल कम रही। जरूरी काम से घरों से निकलने वाले लोगों को बारिश के बीच आवागमन करना पड़ा। दुकानदारों को भी बारिश के कारण परेशानी उठानी पड़ी। कई लोग बारिश थमने का इंतजार करते रहे, जबकि जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। बारिश के कारण रास्तों में पानी और कीचड़ जमा होने से पैदल निकलने वाले लोगों को पानी और कीचड़ के बीच से होकर गुजरना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों को भी विशेष सावधानी बरतनी पड़ी। शनिवार को दिनभर मौसम खराब रहने के बाद देर शाम बारिश थमी तो लोगों ने राहत महसूस की। लगातार बारिश से खेतों में पानी भरने के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में पहले से खड़ी फसलों के आसपास पानी जमा होने से किसान उसकी निकासी को लेकर परेशान हैं। किसानों का कहना है कि यदि खेतों में पानी भरने से तिल, धान आदि की फसल को नुकसान हुआ है। लगातार दो दिन बारिश होने के बाद मौसम में उंडक महसूस हुई, लेकिन खेतों में जलभराव होने से किसानों चिंतित हैं।

लगातार बारिश बनी आफत: कोटरा कस्बे में तीन गरीब परिवारों के मकान हुए जमींदोज छत समेत भग्नाकार गिरा आशियाना, परिवार खुले आसमान के नीचे



उरई/कोटरा। जिले के कोटरा कस्बे में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मोहल्ला तालपुर में तीन गरीब परिवारों के मकान बारिश के चलते ढह गए। इनमें लल्लू फादली, रहीम कुंजरे और गालिब मिर्जा के मकान शामिल हैं। लल्लू फादली का मकान तो पूरी छत समेत गिर गया, जिससे परिवार में भगदड़ मच गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त परिवार के लोग घर के दूसरे हिस्से में थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। मकान गिरने से सेन तीनों गरीब परिवारों के सामने रहने और गृहस्थी का सामान सुरक्षित रखने का संकट खड़ा हो गया है। घरों में खा अनाज, बर्तन और अन्य सामान मलबे में दब गया। उनकी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि वे दोबारा मकान बनवा सकें। अब परिवार पत्नी और पड़ोसियों के सहारे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। पीड़ित परिवारों ने सरकार और प्रशासन से तुरंत मदद, आर्थिक सहायता और राहत सामग्री देने की अपील की है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मौके पर जाकर स्थिति देखने और प्रभावितों को जल्द राहत दिलाने की मांग की है। राजस्व विभाग को नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

लगातार बारिश से गिरे घरों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपालों का स्थलीय निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी। तहसील कालपी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए राजस्व प्रशासन दिन रात भ्रमणशील व सतर्क रहें। उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य के निर्देश पर तहसीलदार श्रीप कुमार मिश्रा, नायब तहसीलदारों चंद्र मोहन शुक्ला मुकेश कुमार प्रिंस राजपूत, राजस्व निरीक्षकों हर्देसिंह सेंगर प्रमोद दुवे एवं लेखपालों की टीम शनिवार को लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेने में जुटी रही।

शनिवार को राजस्व अधिकारियों एवं राजस्व कर्मचारी हर संवेदनशील स्थल पर स्वयं पहुंचकर जलभराव, कच्चे एवं जर्जर मकानों तथा बारिश से प्रभावित संभावित क्षेत्रों की स्थिति देख कर इलाकाई लोगों से संवाद कर उन्हें आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की गयी है। नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला क्षेत्रीय लेखपाल हेमंत कुमार के साथ उदमपुरा, बागी, काना खेड़ा आदि ग्रामों में जलभराव तथा गिरे घरों का स्थलीय निरीक्षण किया। इसी दौरान कालपी सर्किल के नायब तहसीलदार मुकेश कुमार तथा चुरखी के नायाब तहसीलदार प्रिंस सिंह राजपूत ने दर्जनों ग्रामों का भ्रम भ्रम कर निरीक्षण किया। तहसीलदार श्रीप कुमार मिश्रा ने बताया कि बारिश से उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति में तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक आपात सहायता उपलब्ध कराने तथा प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उन्होंने निर्देश दिए हैं। उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने कहा कि लगातार बारिश के मद्देनजर राजस्व प्रशासन द्वारा पूरी सतर्कता बरती जा रही है। सभी राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखने तथा किसी भी आपात सूचना पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन व राजस्व कर्मचारियों की टीमों क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं और बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।



स्लीपर बस में लगी आग से 9 के मरने और 25 घायल हो जाने के बाद मुद्दा सर्वत्र जोरदारी से गूँज रहा है

- स्लीपर बसों में सफर या सुरक्षा से समझौता? 181 कार्रवाई के बाद भी सवाल बरकरार**
- बस संचालकों को बस मोटी कामाई की चिंता**
- परिवहन, जीएसटी, और इनकम टैक्स विभाग हर प्रति चक्कर वसूलते हैं 10-10 हजार ?**
- सवारी की सुरक्षा की चिंता किसी को नही**
- आग से निपटने के साधन लज्जरी बसों में हैं अपर्याप्त। जिसके फलस्वरूप जिंदा जल गए लोग**
- जीएसटी और इनकम टैक्स विभाग तो टैक्स चोरी और प्रतिबधित सामान, मादक पदार्थों की तश्करी को संरक्षण देकर लज्जरी बसों से कमा रहे हैं लाखों**
- उरई से विभिन्न राज्यों के लिए संचालित 37 स्लीपर बसें परिवहन विभाग के रडार पर**

(यंग भारत न्यूज) जालौन, 25 सितंबर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में उरई से विभिन्न राज्यों और महानगरों के लिए संचालित हो रही लज्जरी स्लीपर बसों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हो गई है। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्लीपर बसों में आग लगने और दुर्घटनाओं की घटनाओं के बाद लंबी दूरी की बसों में सुरक्षा इंतजामों को लेकर यात्रियों की चिंता बढ़ी है। हालांकि, जालौन में परिवहन विभाग का कहना है कि स्लीपर बसों की नियमित जांच की जा रही है और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई भी की जा रही है। जिले में वर्तमान में 37 स्लीपर बसें पंजीकृत हैं, जबकि अप्रैल 2026 से अब तक विभाग ने 181 चालान/निरुद्ध की कार्रवाई करते हुए 9.52 लाख रुपये प्रशमन शुल्क वसूल किया है।

उरई मुख्यालय से कानपुर के रास्ते तथा अन्य मार्गों पर विभिन्न कंपनियों की स्लीपर बसें संचालित होती हैं। शहर में इन बसों के बुकिंग कार्यालय और एजेंट भी सक्रिय हैं। इन बसों से उज्जैन, सूरत, अहमदाबाद, जयपुर, जोधपुर, दिल्ली, इंदौर सहित गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों तक यात्री सफर करते हैं। राजकमल, समय, शताब्दी, हंस और पीतांबरा समेत कई नामों से बसों के संचालन की जानकारी सामने आती है। लंबी दूरी की इन बसों में यात्रियों के साथ बड़ी मात्रा में सामान भी रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिक सामान होने पर वाहन के भार और आपात स्थिति में यात्रियों की सुरक्षित निकासी को लेकर अतिरिक्त सतर्कता जरूरी है। डॉ. हरिमोहन ने कहा कि यात्रियों और लगेज का अधिक भार सुख्खा जोखिम बढ़ा

सकता है। उन्होंने बसों की निर्धारित क्षमता और लोड की नियमित जांच की आवश्यकता बताई। अशोक कुमार ने कहा कि स्लीपर बसों की आंतरिक बनावट में यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। आपातकालीन गेट, शोशा तोड़ने के हथौड़े और अन्य सुरक्षा उपकरण ऐसी जगह उपलब्ध होने चाहिए, जहां जरूरत पड़ने पर यात्री उनका आसानी से इस्तेमाल कर सकें। वरिष्ठ पत्रकार संजय श्रीवास्तव ने बसों में यात्रियों के सामान की जांच के साथ जीएसटी और आयकर से संबंधित मामलों की जांच की भी मांग की। उन्होंने आवश्यकता के अनुसार परिवहन, जीएसटी और आयकर विभाग की संयुक्त जांच की बात कही। उन्होंने बस संचालकों पर विभागीय अधिकारियों को कथित रूप से सुविधा शुल्क देने के आरोप भी लगाए।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित विभागों का पक्ष इस संबंध में उपलब्ध नहीं है। यात्रियों का कहना है कि लंबी दूरी की बसों में आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ की मौजूदगी जरूरी है। यात्रा शुरू होने से पहले यात्रियों को इमरजेंसी गेट, शोशा तोड़ने के हथौड़े और अन्य सुरक्षा उपकरणों की जानकारी भी दी जानी चाहिए। कुछ यात्रियों ने स्टाफ के बार-बार बदलने की बात कहते हुए वाहन की तकनीकी स्थिति से परिचित अनुभवी कर्मचारियों की जरूरत बताई।

एआरटीओ बोले, सुरक्षा को लेकर लगातार हो रही जांच

एआरटीओ परिवहन सचल दल राजेश कुमार ने बताया कि स्लीपर बसों की लगातार जांच की जा रही है। जांच के दौरान बस के स्टाफ, वाहन के रखरखाव, यात्रियों के सामान और डिगी की स्थिति

- अप्रैल से अब तक 181 चालान/निरुद्ध की कार्रवाई, 9.52 लाख रुपये प्रशमन शुल्क वसूला**
- एआरटीओ राजेश कुमार बोले- यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, बसों की लगातार हो रही जांच**
- डबल स्टाफ, ओवरस्पीड पर रोक और तकनीकी व्यवस्थाओं की जांच के लिए संचालकों को दिए जा रहे निर्देश**

भी देखी जाती है। चालकों और स्टाफ को ओवरस्पीड में वाहन नहीं चलाने की स्पष्ट हिदायत दी जाती है। उन्होंने बताया कि बस संचालकों को लंबी दूरी की यात्रा में डबल स्टाफ रखने तथा लगातार लंबी अवधि तक वाहन चलाने से बचने की सलाह दी जाती है। राजेश कुमार ने बताया कि जिले में 37 स्लीपर बसें पंजीकृत हैं। अप्रैल 2026 से अब तक नियमों के उल्लंघन पर 181 चालान/निरुद्ध की कार्रवाई की गई है और 9.52 लाख रुपये प्रशमन शुल्क वसूल किया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभाग की जांच और प्रवर्तन कार्रवाई लगातार जारी है। परिवहन विभाग की कार्रवाई के बीच यात्रियों की अपेक्षा है कि लंबी दूरी की स्लीपर बसों में सुरक्षा मानकों का नियमित पालन सुनिश्चित हो और किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों की सुरक्षित निकासी के लिए जरूरी संसाधन हर समय उपलब्ध रहें।

किसानों की मदद के लिए विधायक ने सीएम को लिखी पाती

(यंग भारत न्यूज) **कोंच** दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते खेतों में फसलें नष्ट होती देख किसान सदमे में नजर आ रहे हैं। इस दैवीय आपदा के चलते आर्थिक रूप से टूटे किसानों की मदद के लिए विधायक मूलचंद्र निरंजन आगे आए हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पीड़ित किसानों को त्वरित मुआवजा प्रदान किए जाने का अनुरोध किया है विधायक ने शनिवार की सुबह सुबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे अपने पत्र में कहा कि माधौगढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित समूचे जनपद जालौन में विगत दिनों हुई अत्यधिक बारिश और बीते दो दिनों से लगातार हो रही बारिश व तेज हवाओं के कारण खेतों में तिल, उड़द, मूंग, ज्वार, बाजरा एवं धान की फसलें नष्ट हो गई हैं। फसलें नष्ट होने से अनन्तदा किसानों को काफी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। विधायक ने अपने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि पीड़ित किसानों को दैवीय आपदा के तहत फसल मुआवजा एवं फसल बीमा धनराशि त्वरित उपलब्ध कराई जाये ताकि पीड़ित किसानों को संकट की इस घड़ी में राहत पहुंच सके। वहीं विधायक ने विधानसभा क्षेत्र के किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि बारिश जैसी दैवीय आपदा से प्रभावित हर एक किसान की हसंसंभव मदद की जाएगी। किसानों को पेशानी में रहने नहीं दिया जाएगा, किसानों की मदद के लिए वह हर स्तर पर साथ खड़े रहेंगे।

पितृपक्ष का शुभारंभ, पितरों के तर्पण के लिए तालाबो पर लोगो ने दिया पानी अब पन्द्रह दिन नही होंगे मांगलिक कार्य

(यंग भारत न्यूज) **कोंच** पितृ पक्ष की शुरुआत शनिवार से हो गई। सुबह 8 बजे से ही नगर के सागर तालाब, धनुतालाब सहित अन्य जल स्रोतों पर लोग अपने पूर्वजों को याद कर तर्पण करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने तिल, उड़द आदि लेकर कुश के माध्यम से जल अर्पित किया और अपने पुरखों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पितृ पक्ष शुरू होने के साथ ही आगामी 15 दिनों तक शुभ कार्यों पर भी विराम माना जा रहा है। नवरात्रि शुरू होने के बाद ही शुुभ कार्यों की शुरुआत होगी। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष पूर्वजों को समर्पित अवधि है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध कर्म, तर्पण और अन्य धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। शनिवार सुबह करीब आठ बजे सागर तालाब और धनुतालाब पर लोगों ने विधि-विधान से तर्पण किया। श्रद्धालुओं ने कुश, तिल और जल के साथ पूर्वजों का स्मरण किया। पण्डित संतोष त्रिपाठी एवं विष्णुकान्त शास्त्री ने बताया धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आश्विन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक की अवधि श्राद्ध या महालय पक्ष कहलाती है। इस दौरान पितरों के निमित्त किए जाने वाले कर्मकांड का विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि श्राद्ध और तर्पण से पितरों को शांति प्राप्त होती है। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए कौआ, खान और गाय के लिए भी भोजन का अंश अलग निकालते हैं। धार्मिक मान्यताओं में गाय को देवताओं से और कौआ व खान को पितरों से संबंधित माना गया है। वहीं पूर्वजों की मृत्यु तिथि पर कर्मकांडी ब्राह्मणों को भोजन करारक ब्रह्म भोज कराया जाता है। पितृ पक्ष के दौरान नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों द्वारा अपने-अपने पूर्वजों की तिथि के अनुसार श्राद्ध, तर्पण और अन्य कर्मकांड किए जाएंगे। इससे धार्मिक स्थलों और जल स्रोतों पर भी लोगों की आवाजाही बढ़ेगी।

तेज हवा और बारिश में मुख्य मार्ग पर गिरा विशाल पेड़,आवागमन ठप्प

(यंग भारत न्यूज) **कोंच** तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश के चलते कोंच- एट मुख्य मार्ग पर एक विशाल शोशम का पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। सड़क के बीचों-बीच पेड़ गिरने से मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। देखते हो देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अंडा रोड पर स्थित एक कोल्ड स्टोर के पास तेज बारिश और हवाओं के कारण विशाल शोशम का पेड़ अचानक जड़ से उखड़ गया। पेड़ तेज आवाज के साथ सड़क पर जा गिरा और पूरा रास्ता अवरुद्ध हो गया। पेड़ के गिरने से कुछ समय के लिए एट रोड पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। गनीमत रही कि जिस समय पेड़ सड़क पर गिरा, उस दौरान कोई वाहन उसकी चपेट में नहीं आया। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। पेड़ गिरने की सूचना मिलने के बाद सड़क पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी संबंधित विभाग को दी। मार्ग बाधित होने के कारण वाहन चालकों को पेशानी हुई और दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। मामले की जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम ने पेड़ को सड़क से हटाने की प्रक्रिया शुरू की। वन रेंजर संजीव तिवारी ने बताया कि तेज हवाओं के चलते पेड़ सड़क पर गिरा है। सड़क से पेड़ हटाने की जल्द व्यवस्था की जा रही है, ताकि यातायात को सुचारु कराया जा सके। ब्बारिश और तेज हवाओं के बीच पेड़ गिरने की घटना से आसपास के लोगों में भी अफता-तफरी का माहौल रहा। हालांकि किसी प्रकार की कोई जनहिन नहीं हुई।

नवांगतुक एसआई सुनील कुमार को मिला हल्का नंबर एक का दायित्व

(यंग भारत न्यूज) **कालपी**। लखनऊ महानगर से स्थानांतरित होकर कालपी कोतवाली में तैनाती पाए नवांगतुक उपनिरीक्षक सुनील कुमार को कोतवाली के हल्का नंबर एक का दायित्व सौंपा गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अपने क्षेत्र का भ्रमण कर स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित किया और क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली। जनपद कन्नौज के मूल निवासी उपनिरीक्षक सुनील कुमार वर्ष 2012-13 बैच में पुलिस विभाग में उपनिरीक्षक के पद पर नियुक्त हुए थे। उन्होंने जनपद झांसी के विभिन्न थानों में करीब सात-आठ वर्षों तक सेवाएं देने के साथ ही लखनऊ में भी उपनिरीक्षक के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने नवांगत उपनिरीक्षक सुनील कुमार को हल्का नंबर एक की जिम्मेदारी सौंपी है। जिम्मेदारी संभालने के बाद एसआई सुनील कुमार ने क्षेत्र का भ्रमण कर पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। उपनिरीक्षक सुनील कुमार ने कहा कि उच्चाधिकारियों के निर्देश एवं शासन की नीतियों के अनुरूप क्षेत्र में अपराध नियंत्रण उनकी प्राथमिकता रहेगी। अपराधी तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के साथ ही आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत किया जाएगा।



मूसलाधार बारिश से बर्बाद फसलों का एडीएम ने लिया जायजा

कई गांवों में राजस्व अधिकारियों के साथ पहुंचे, क्षति का सर्वे कर रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज) **कालपी**। लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं से क्षेत्र में फसलों को हुए नुकसान की हकीकत परखने के लिए शनिवार को अपर जिलाधिकारी न्यायिक शत्रुघ्न पाठक ने राजस्व अधिकारियों के साथ कई गांवों का स्थलयी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित खेतों में पहुंचकर फसलों की स्थिति देखी और किसानों से संवाद कर नुकसान की जानकारी ली। उल्लेखनीय हो कि 24/25 सितंबर की रात से झमाझम बारिश और तेज हवाओं का सिलसिला शुरू हुआ, जो शनिवार तक कालपी एवं आसपास के क्षेत्रों में जारी रहा। लगातार बारिश के कारण तिली, ज्वार, बाजरा समेत अन्य फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसलें बारिश और तेज हवाओं की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गईं। फसल क्षति का जायजा लेने के लिए अपर जिलाधिकारी न्यायिक शत्रुघ्न पाठक, उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य, नायब तहसीलदार मुकेश कुमार, राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, प्रमोद दुबे सहित राजस्व कर्मियों ने काशीखेड़ा, जोलहूपुर, रायड़ दिवारा, घासियारेपुरा, चाहीपुर आदि गांवों का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश से जहां-जहां फसलों को नुकसान हुआ है, वहां शीघ्र सर्वे कर क्षति की रिपोर्ट तैयार की जाए और जिला प्रशासन को भेजी जाए, ताकि प्रभावित किसानों को शासन स्तर से मिलने वाली सहायता समय से उपलब्ध कराई जा सके। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर बारिश से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा राजस्व कर्मियों को मौके पर वास्तविक स्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए।



खराबी आने के कारण बालाजी फीडर की बिजली आपूर्ति लगभग 12 घंटे रही बंद

(यंग भारत न्यूज) **जालौन-उरई**। लाइन में खराबी आने के कारण बालाजी फीडर की बिजली आपूर्ति लगभग 12 घंटे बंद रही। वहीं, बिजलीघर में ब्रेकडाउन होने से पूरे नगर की बिजली आपूर्ति लगभग छह घंटे बंद रही। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति लगभग 20 घंटे से बंद हैं। नगर में बिजली आपूर्ति जहां दोपहर करीब 12 बजे शुरू हो गई। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति शाम तक बाधित रही। बिजली न आने से नगर में पेयजल के लिए भी लोग परेशान हुए। शुक्रवार की सुबह से लगातार हो रही बारिश के चलते नगर की बिजली आपूर्ति पटरी से उतर गई है। शुक्रवार रात से बिजली आपूर्ति बाधित होने से सामान्य जन जीवन प्रभावित हो गया है। शुक्रवार को दिन में बारिश के चलते बिजली की लुकाछिपी का खेल चलता रहा। रात करीब साढ़े 11 बजे अचानक बालाजी फीडर में फाल्ट आ गया जिससे चुर्खी रोड समेत मोहल्ला हरीपुरा, जोशियाना, फर्दनवीस, भवानीराम, चुर्खीबाल की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इसके अलावा कई मोहल्लों में लो वोल्टेज की समस्या आई। वहीं, शनिवार को सुबह लगभग छह बजे अचानक बिजलीघर में ब्रेक डाउन होने के चलते नगर के सहाबनाका और बैठांग फीडर की बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई। बालाजी फीडर की शुक्रवार को मध्य रात्रि से और अन्य फीडर की शनिवार की सुबह से गायब हुई बिजली शनिवार को दोपहर लगभग 12 बहाल हुई। इसके बाद भी लुकाछिपी का खेल चलता रहा। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने मरम्मत कर नगर की बिजली आपूर्ति तो शुरू कर दी। लेकिन ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति शनिवार की शाम तक बहाल नहीं हो सकी। बारिश के दौरान नगर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप होने से नगर की जलापूर्ति पर भी प्रभाव पड़ा। सुबह के समय लोगों को पेयजल के परेशान होता पड़ा और उन्हें हैंडपंप का सहारा लेना पड़ा। जैवै केके वर्मा ने बताया कि बालाजी फीडर में खराबी आने के चलते बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई थी। जिसे ठीक कर लिया गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में पेट्रोलिंग की जा रही है, बारिश के चलते पेट्रोलिंग प्रभावित हुई थी। जल्द ही फाल्ट ढूंढकर ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

अलग अलग विद्यालयों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन हुआ

(यंग भारत न्यूज) **जालौन-उरई**। अलग अलग विद्यालयों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन हुआ। इस दौरान वंदे मातरम के इतिहास से भी छात्रों को परिचित कराया गया। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज और आनंदी बाई हर्ष बालिका इंटर कॉलेज, एमएल कॉवेंट एवं महाराणा प्रताप साईंस इंटर कॉलेज में वंदेमातरम का सामूहिक गायन हुआ। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में डॉ. धर्मेन्द्र मिश्रा की अध्यक्षता एवं रामेंद्र गुप्ता, महेंद्र पाटकर की उपस्थिति में वंदेमातरम का गायन हुआ। आनंदी बाई हर्ष बालिका इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्या सुनीता शर्मा, एमएल कॉवेंट में माधव कुमार व्यास एवं गौरव गुप्ता, महाराणा प्रताप एकेडमी कृष्ण कुमार द्विवेदी एवं मंगल सिंह चौहान की उपस्थिति में छात्रों और अतिथियों ने वंदेमातरम का गायन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुनील सोनकिया ने किया। कार्यक्रम के पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष अभय सिंह राजावत, प्रधानाचार्य गुरुप्रकाश, कुंवर सिंह यादव, भूपेंद्र निरंजन, संजय सिंह सेंगर , राज नारायण, योगेंद्र, मोहन, रूपेश साहू, अनुराग, संतोष, वर्षा, मोनिका, राजन, रश्माजी दिधरा आदि रहे।

बारिश के चलते ताबां में मजदूर का कच्चा घर गिरा

(यंग भारत न्यूज) **जालौन-उरई**। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते ताबां में मजदूर का कच्चा घर गिर गया। घर गिरने से मजदूर रामकरन याज्ञिक का परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया है। परिवार के सामने रहने के साथ-साथ खाने-पीने की भी समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और रहने के लिए आवास उपलब्ध कराने की मांग की है।ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम ताबां निवासी रामकरन याज्ञिक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनका कच्चा मकान पहले से ही जोर्जर हालत में था। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की दीवारों और मिट्टी में नमी बढ़ती गई। बारिश का पानी भरने और मिट्टी कमजोर होने के बाद मकान अचानक भरभराकर गिर गया। घर गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। गनीमत रही कि जिस समय मकान धराशायी हुआ, परिवार के लोग उसके अंदर मौजूद नहीं थे, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मकान गिरने के बाद परिवार के सामने सबसे बड़ी समस्या रहने की हो गई है। बारिश के मौसम में कच्चा आशियाना छिन जाने से परिवार के सदस्यों को खुले आसमान के नीचे समय बिताना पड़ेगा। रामकरन ने बताया कि घर में रखा गृहस्थी का सामान, कपड़े, अनाज आदि भी मलबे के नीचे दब गया है। अभी उनके पास रहने को कोई दूसरी ठिकाना नहीं है। पहले ही उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और अब मकान गिर जाने से वह पूरी तरह संकट में आ गए हैं। घर दोबारा बनवाने की स्थिति भी उनके पास नहीं है। गरीब मजदूर ने मकान का सर्वे करारकर मुआवजा और आवास दिलाने की मांग एसडीएम से की है।

रास्ते पर जानवर बांधने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

-जातिसूचक शब्द कहने का लगाया आरोप, पुलिस से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज) **कोंच** कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला जयप्रकाश नगर में रास्ते में जानवर बांधने का प्रयोग करने और जान से मारने हुए विवाद का मामला सामने आया है। मामले में अनुसूचित जाति के परिवार ने पड़ोस में रहने वाले तीन लोगों पर गाली-गलौज, मारपीट, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए शनिवार को पुलिस से शिकायत की है।पुलिस को दिए शिकायती पत्र में शिकायतकर्ताओं ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले नरेन्द्र यादव, पुलटाई यादव



और मोनू यादव कथित तौर पर रास्ते में जानवर बांधते हैं, जिससे आवागमन में परेशानी होती है। आरोप है कि घटना के दिन शिकायतकर्ता नाले में जमा कूड़ा और गंदगी साफ कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी पक्ष कथित रूप से लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंचा और गाली-गलौज

आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने और मुहल्ले में नहीं रहने देने की धमकी भी दी। पीड़ितों ने कोतवाली पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थनापत्र पर पुलिस ने जांच प्रारंभ की।

जल भराव से परेशान मुहल्लावासियो ने समाधान दिवस में की शिकायत

(यंग भारत न्यूज) **कोंच** नगर के मुहल्ला भगतसिंह नगर वार्ड नंबर 9 में सरकारी नाला ओवरफ्लो होने से मुहल्लेवासियों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। समस्या से परेशान स्थानीय लोगों ने शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर नाला की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।मुहल्लेवासियों का कहना है कि नाला ओवरफ्लो होने के कारण बारिश अथवा गंदा पानी सड़कों पर जमा हो जाता है। कई स्थानों पर करीब दो फीट तक पानी भर जाने से लोगों के घरों तक पानी पहुंच जाता है। जलभराव के कारण आवागमन प्रभावित होने के साथ ही स्कूली बच्चों और अन्य राहगीरों को काफी परेशानी होती है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, जलभराव वाले पानी में आए दिन सांप और बिच्छू निकलने से लोगों में भय बना रहता है। उन्होंने बताया कि नाला सफाई के लिए वार्ड सभासद शादाब अंसारी से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। मुहल्लेवासियों ने प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर नाला की सफाई और जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि लोगों को जलभराव और आवागमन की समस्या से राहत मिल सके।

एडीएम नमामि गंगे ने सलैया पहुंचकर पहूज नदी का किया निरीक्षण



कोंच अत्यधिक वर्षा के कारण बड़े हुए नदियों के जल स्तर के चलते होने वाले कटाव से नुकसान के आंकलन के लिए अधिकारी जमीनी स्तर पर कार्यरत हैं और कटान का निरीक्षण कर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रयासरत हैं इसी को लेकर शनिवार को अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेम चन्द्र मौर्य ,उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने सलैया क्षेत्र में पहूज नदी पर पहुंचकर जल से होने वाले कटाव एवं पुल का निरीक्षण किया क्योंकि नदी के कारण पुल के नजदीक मुख्य मार्ग कटाव में बह गया था जिसके कारण पुल पर सिर्फ दो पहिया वाहनो का ही आवागमन हो रहा है और अन्य वाहनो का आवागमन पूर्णतया बंद है। प्रशासन ने कटे हुए मार्ग पर झाड़ू झंझाड़ु व बेरीकट लगाकर कटे हुए हिस्से को सुरक्षित कर दिया जिससे कोई बड़ा बाहन उस हिस्से से न निकले इसके बाद अधिकारीगण ग्राम सलैया बुजुर्ग पहुँचे और लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त मकान का निरीक्षण करते हुए तत्काल ही आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने की कार्यवाही शुरू कर दी गयी।

[illegible]

चौक बाजार बरुआसागर में गणेश विसर्जन पर न्यू बाल गणेश समिति ने कराया भव्य गंगा आरती एवं सम्मान समारोह

(यंग भारत न्यूज)

बरुआसागर। नगर के चौक बाजार में गणेश उत्सव के समापन एवं गणेश विसर्जन के अवसर पर न्यू बाल गणेश समिति द्वारा भव्य गंगा आरती, गणेश विसर्जन एवं सम्मान समारोह का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगरवासी, श्रद्धालु, युवा एवं गणेश भक्त शामिल हुए। गणेश उत्सव के दौरान कई दिनों तक चले धार्मिक आयोजनों के बाद समिति द्वारा भगवान श्री गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई और मंगल आरती व छप्पन भोग के साथ गणेश प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाया गया। विसर्जन यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा पूरा वातावरण ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ’ के जयघोष से गुंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश से परिवार, समाज एवं नगर की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

गणेश विसर्जन के अवसर पर आयोजित गंगा आरती कार्यक्रम श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। आरती के दौरान दीपों की रोशनी और भक्तिमय वातावरण ने पूरे आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गंगा आरती में सहभागिता की तथा मां गंगा से नगर एवं क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और आपसी भाईचारे की प्रार्थना की। आरती के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भगवान श्री गणेश एवं मां गंगा का स्मरण किया। कार्यक्रम में धार्मिक वातावरण के साथ सामाजिक एकता और सद्भाव का



संदेश भी देखने को मिला। इसी अवसर पर सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। समिति द्वारा गणेश उत्सव एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सदस्यों, सहयोगकर्ताओं एवं अन्य गणमान्य लोगों का विशेष रूप से सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के दौरान अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं को पटका पहनाकर तथा शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों का उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया। समिति की ओर से कहा गया कि किसी भी धार्मिक आयोजन की सफलता सामूहिक सहयोग से ही संभव होती है और आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण होता है। इसी भावना के साथ समिति द्वारा सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त

करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। समिति सदस्यों ने कहा कि गणेश उत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाज को एकजुट करने का पर्व भी है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवा वर्ग को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़े का अवसर मिलता है तथा समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और गणेश विसर्जन को भक्तिमय वातावरण में संपन्न कराया। कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने में हृद्देश-रागिनी चौरसिया, आशीष साहू, निखिल साहू, अनुज चौरसिया, अनुज साहू , अभिषेक साहू, गगन साहू, धीरज अग्रवाल, हृदयंश चौरसिया, मोहम्म चौरसिया, भरत अग्रवाल, कार्तिक

वैद्य, अनूप गुप्ता, सोमिल साहू , सोनू प्रजापति, आलोक साहू, जीतू साहू सहित समिति के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति सदस्यों ने आयोजन में सहयोग करने वाले नगरवासियों, श्रद्धालुओं एवं सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से ही गणेश उत्सव एवं विसर्जन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। गणेश विसर्जन के साथ ही श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश को भावपूर्ण विदाई दी और अगले वर्ष पुनः पधारने की कामना की। चौक बाजार बरुआसागर में आयोजित न्यू बाल गणेश समिति का यह आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता, सेवा और भाईचारे का संदेश देते हुए उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा और उल्लास का वातावरण बना रहा।

जलविहार महोत्सव के प्रथम दिवस का भव्य शुभारंभ विधायक राजीव सिंह परीक्षा ने दीप प्रज्वलित व फीता काटकर किया कार्यक्रम का उद्घाटन

(यंग भारत न्यूज)

बरुआसागर। नगर पालिका परिषद बरुआसागर द्वारा बस स्टैंड समीप अदरक मंडी में आयोजित जलविहार महोत्सव 2026 के प्रथम दिवस कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ लोकप्रिय बबोना विधायक राजीव सिंह परीक्षा ने दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने उपस्थित होकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने लोक नृत्य एवं राई नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। मध्य प्रदेश से आए जितू खरे एंड रामरती सरगम पार्टी द्वारा प्रस्तुत लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बुंदेलखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति की शानदार झलक देखने को मिली। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विधायक राजीव सिंह परीक्षा ने जलविहार महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन क्षेत्र की लोक कला, संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। नगर पालिका द्वारा आयोजित जलविहार महोत्सव को लेकर नगरवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रथम दिवस के कार्यक्रम में देर शाम तक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला चलता रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। उक्त कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह कुशवाहा, अधिशासी अधिकारी लाल जी, पाषंद गण, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता सहित पालिका स्टाफ एवं भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे



विधान परिषद चुनावों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से दिल्ली में गहन वार्ता करते सीएम योगी

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ ७०००२०. 226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित **प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव** फोन नं. +919415055318 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718

कश्मीर से कन्याकुमारी पदयात्रा, झांसी में ‘गब्बोले सनातनी’ का भव्य स्वागत

-भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने किया गब्बोले सनातनी का स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। कश्मीर के लाल चौक से कन्याकुमारी तक... हजारों किलोमीटर की ऐतिहासिक पदयात्रा पर निकले झांसी के लाल अनिकेत पटेल ‘गब्बोले सनातनी’ जब बुंदेलखंड की धरती पर पहुंचे, तो उनके स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा।

सखी के हनुमान जी मंदिर परिसर में फूलों की बारिश हुई, जयकारे गुंजे और देशभक्ति के नारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। ग्राम स्यावरी से पहुंचे दर्जनों लोगों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने अनिकेत पटेल का गर्मजोशी से स्वागत किया। कश्मीर के ऐतिहासिक लाल चौक से शुरू हुई कश्मीर से कन्याकुमारी तक की पदयात्रा अब झांसी पहुंच चुकी है। इस कठिन और साहसिक यात्रा को लेकर झांसी पहुंचने पर अनिकेत पटेल ‘गब्बोले सनातनी’ का सखी के हनुमान जी मंदिर परिसर में जोरदार स्वागत किया गया। जैसे ही अनिकेत पटेल मंदिर परिसर पहुंचे, वहां मौजूद लोगों ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। चारों ओर जयकारों की गुंज सुनाई दी और पूरा वातावरण भक्ति, आस्था और देशप्रेम से सरबोरे नजर आया।

स्यावरी गांव से पहुंचे लोगों ने भी बढ़ाया हौसला

अपने गांव के लाल की इस



ऐतिहासिक यात्रा को लेकर ग्राम स्यावरी से बड़ी संख्या में लोग झांसी पहुंचे और अनिकेत पटेल का उत्साह बढ़ाया। लोगों ने उनकी इस लंबी यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट लोगों ने किया सम्मान स्वागत समारोह में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल ‘सर जी’, एम एल सी प्रतिनिधि आर पी निरंजन, एवं UPRNSS, उत्तर प्रदेश सरकार के डायरेक्टर अर्पित दास महाराज ने अनिकेत पटेल का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान उन्हें हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए उनकी कठिन पदयात्रा की सफलता के लिए मंगलकामनाएं की गईं। अनिकेत पटेल

के इस साहसिक संकल्प के समर्थन में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। इनमें रामेश्वर पटेल पूर्व प्रधान, विक्रम पटेल, वीरेंद्र शशि पटेल, देवेन्द्र पटेल बिजौरा ‘अपना ब्लड बैंक’, अंकित पटेल चिमदवारा, कौशल पटेल बिजौरा, सोनू पुरी, पंकज पटेल, विपिन खरे, गौरव पटेल और राजू पटेल सहित कई लोग शामिल रहे। कश्मीर के लाल चौक से शुरू हुआ सफर अब कन्याकुमारी की ओर बढ़ रहा है। रास्ता लंबा है, चुनौती बड़ी है, लेकिन अनिकेत पटेल का संकल्प अडिग नजर आ रहा है। झांसी में मिले इस भव्य स्वागत ने उनकी इस यात्रा में नया जोश भर दिया है।

युवा संवाद में बोले भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह—लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें, सेवा भावना को जीवन का हिस्सा बनाएं

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। शिवाजी नगर स्थित Future कुल कोचिंग में शनिवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने विद्यार्थियों से शिक्षा, सेवा, तकनीक और राष्ट्र निर्माण को लेकर संवाद किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि युवाओं को सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। शिक्षा के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी को समझते हुए सेवा भावना को जीवन का हिस्सा बनाने की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से सेमीकंडक्टर और एआई जैसे उभरते तकनीकी क्षेत्रों में अपनी भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में युवाओं को नई तकनीक सीखने के साथ अपनी सोच और क्षमता को भी विकसित करना होगा। विद्यार्थियों से लगातार सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने को कहा। नीरज सिंह ने छात्राओं से झांसी और बुंदेलखंड की ऐतिहासिक विरासत से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की बात कही। उन्होंने इतिहास, आयात-निर्यात और व्यापार से जुड़े नए अवसरों पर भी विचार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को क्षेत्र के विकास और नए अवसरों से जोड़ते हुए इसका उल्लेख किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे बुंदेलखंड क्षेत्र को बेहतर संपर्क देने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया है। उन्होंने रोजगार मेलों के साथ तकनीकी क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। छात्राओं से कहा कि आगे बढ़ने के लिए उन्हें स्वयं मेहनत करनी होगी और अपनी अलग पहचान बनाने पर ध्यान देना होगा। संवाद के दौरान



विद्यार्थियों ने शिक्षा और जीवन से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे। नीरज सिंह ने उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। कुछ विद्यार्थियों ने पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए, जिनका उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उपहार प्रदान किए गए। इससे विद्यार्थियों में उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, जिला महामंत्री छत्रपाल सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष सहजेन्द्र सिंह बघेल, गुड्डी रानी पटेल, नेहिल सिंघई, जिला मंत्री यज्ञेश यादव, जिला मीडिया प्रभारी दीपक त्रिपाठी, रामजी परिहार, अखिलेश गुप्ता, आकाश नायक, स्वदेश नायक और आशीष उपाध्याय मौजूद रहे। Future कुल परिवार की ओर से बृजेंद्र यादव, Future कुल महाविद्यालय के प्राचार्य रामजी यादव, शिक्षकगण और स्टाफ उपस्थित रहे। संचालन राहुल द्विवेदी ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपना भविष्य बेहतर बनाने के लिए सकारात्मक सोच और मेहनत जरूरी है।

उन्होंने कार्यक्रम में आए लोगों का नमन किया। प्रदीप पटेल ने कहा कि उन्होंने सबसे पहले गाय पाली, इसके बाद व्यापार शुरू किया और मेहनत करते हुए लगातार आगे बढ़ते गए। कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर सुनील काविया ने अतिथियों, विद्यार्थियों, शिक्षकगण और स्टाफ का आभार जताया। समापन पर नीरज सिंह ने विद्यार्थियों से भारत माता की जय के नारे लगावाए और अपने गुरु को नमन किया। सेमीकंडक्टर और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों से नई तकनीक सीखने और बदलते दौर के अनुसार अपनी क्षमता विकसित करने का आह्वान किया गया। छात्राओं को व्यापार के अवसरों पर संदेश छात्राओं से झांसी की ऐतिहासिक विरासत से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने तथा इतिहास, आयात-निर्यात और व्यापार जैसे क्षेत्रों में नए अवसर तलाशने की बात कही गई।

जबर गणेश के विसर्जन यात्रा में श्रद्धालु का उमड़ा जनसैलाब

(यंग भारत न्यूज)

बरुआसागर (झांसी) जनपद सहित बुंदेलखंड क्षेत्र में चर्चित जबर गणेश प्रतिमा विसर्जन दौरान श्रद्धालुओं में बड़ा ही उमंग, उत्साह, उल्लास एवं जोश प्रदर्शित श्रद्धालुओं जन गगन भेदी जयकारे गुंजायमान करते एवं तलवारों, फरसो, भगवा ध्वजो आदि का प्रदर्शन करते हुये चल रहे थे। जिससे नगर का माहौल धर्ममय एवं उत्साह पूर्ण बना रहा।

हिंदू धार्मिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में विगत कई दशकों से नगर के मुहल्ला इंदीवर नगर में जबर गणेश के नाम से गजानन महाराज की प्रतिमा विराजित की जा रही है। इसी दौरान पूर्व में कई ऐसी घटनाये घटित हुई जिससे यह कार्यक्रम लगातार प्रसिद्ध होता जा रहा है। यही वजह है कि प्रतिमा विसर्जन यात्रा के दौरान जनपद स्तर का पुलिस बल तैनात किया जाता रहा है। नगर में विसर्जन यात्रा के भ्रमण दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना पुष्प वर्षा एवं प्रसाद वितरण कर स्वागत किया। विसर्जन यात्रा नगर के सुप्रसिद्ध स्वर्ग आश्रम झरना तालाब में नम आँखों के साथ प्रतिमा को विसर्जित किया गया। प्रतिमा विसर्जित के पश्चात प्रशासन ने ली राहत की सांस। इस दौरान जबर गणेश विसर्जन यात्रा में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिये टहरीली क्षेत्रधिकारी रक्षपाल सिंह सहित थाना प्रभारी प्रकाश सिंह बरुआसागर थाना पुलिस के अलावा आस पास के थानों से आये पुलिस जवान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे प्रतिमा विसर्जन के दौरान आयोजक मनोज शर्मा, वीरेंद्र ठाकुर, रजनीश शर्मा, रंजीत ठाकुर, मोनू ठाकुर, लखनलाल प्रजापति, संजू शर्मा, दीपक त्रिपाठी, धनवीर पंजाबी, विशाल, राहुल आदि सहित हिंदू संगठनों के लोग मौजूद रहे।

